twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 06 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 179, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

गृह मंत्रालय का सभी राज्यों को मॉक ड्रिल का निर्देश

सीमा पर तनाव: छात्रों-नागरिकों को प्रशिक्षण देने को कहा

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले के सायरन, आम जनता को सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) से जुड़ी ट्रेनिंग देना, ब्लैकआउट उपाय, जरूरी ठिकानों की कैमोफ्लाज (छिपाने की व्यवस्था) और एवैक्यूएशन (निकासी) प्लान का अभ्यास किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा भूराजनीतिक हालात में देश को कई नए और जटिल खतरों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हर समय पूरी तैयारी रखनी चाहिए।

विज्ञापन इसके मुताबिक, 7 मई को देश के 244 चिन्हित जिलों में यह मॉक ड्रिल होगी, जो गांवों में तक की जाएगी। इसका मकसद सिविल डिफेंस की तैयारी की जांच करना और बेहतर बनाना है।

इस अभ्यास में जिला अधिकारी, सिविल डिफेंस वार्डन, होम गार्ड, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस, कॉलेज और स्कूल के छात्र भी भाग लेंगे। सरकार का कहना है कि यह मॉक ड्रिल विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों और आपसी तालमेल की जांच के लिए जरूरी है।

डीआरडीओ-नौसेना ने एमआईजीएम का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने संयुक्त रूप से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित की गई मल्टी-इम्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम) का सीमित विस्फोटक के साथ सफलतापूर्वक युद्ध अभ्यास परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली भारतीय नौसेना की जलपोत-रोधी युद्ध क्षमता को और अधिक मजबूत बनाएगी।

क्या होता है मॉक ड्रिल? ड्रिल निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे

- हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन
- शत्रुतापूर्ण हमले की स्थिति में खुद को बचाने के लिए नागरिक सुरक्षा पहलुओं पर नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षण।
- क्रैश ब्लैक आउट उपायों का प्रावधान
- महत्वपूर्ण संयंत्रों/स्थापनाओं को समय से पहले छिपाने का प्रावधान
- निकासी योजना का अद्यतनीकरण और उसका पूर्वाभ्यास

बता दें कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति की तैयारी योजना की समीक्षा करना। इसके अलावा किसी भी स्थान पर मानक संचालन प्रोटोकॉल का मूल्यांकन करना। मॉक ड्रिल के दौरान सभी लोगों को किसी भी इमरजेंसी स्थिति के दौरान एक्शन के लिए तैयार किया जाता है। मॉक ड्रिल एक प्रकार का ऐसा प्रोसेस है जो आपदा के आने पर कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए यह बताता है।

इस दौरान संभावति गलतियों ओर जोखिमों की पहचान भी की जाती है।

विभिन्न आपदा नियंत्रण विभागों के बीच समन्वय में सुधार भी होता है।

इस दौरान दिखाया जाता है कि कैसे किसी आपात स्थिति में किसी ऊंची इमारत में फंसे लोगों को निकाला जा सकता है।

यह आपदाओं का तुरंत जवाब देने की क्षमता को भी बढ़ाता है।

13 दिन से लगातार सीमा पर गोलीबारी कर रहा पाकिस्तान

भारत को पहलगाम में बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने की कोई जल्दी नहीं है। भारत ने पाकिस्तान के गले में फंदा डाल दिया है और एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की तरह पड़ोसी देश से ठोस आश्वासन लेने की कोशिश जारी है। ऐसे में बड़े सवाल दो हैं। पहला भारत आगे क्या करने वाला है और दूसरा 11 दिन से लगातार 2003 में हुए संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करके पाकिस्तान क्या चाहता है?

विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि दोनों देश 22 अप्रैल को बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद जबरदस्त तरीके से तैयारी कर रहे हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस हमले के बाद भारत की तरफ से लगाए जाने वाले आरोप को बेबुनियाद बता रहा है। भारत की कोशिशों को उकसावे की कार्रवाई बता रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ लगातार कूटनीतिक प्रयासों को जारी रख रहे हैं। उसके विदेश मंत्री अमेरिका समेत कई देशों के संपर्क में हैं। भारत ने भी पाकिस्तान की घेराबंदी तेज कर रखी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिका के समकक्ष और रूस के समकक्ष सर्गेई लावरोव से भी बात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बात हुई है। भारतीय प्रशासन अमेरिका, रूस, इस्त्राइल समेत दुनिया के तमाम सहयोगी देशों के संपर्क में है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संदेश देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर कोर्ट का विचार करने से इनकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र और राज्यों को निर्देश दिये जाने संबंधी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता और विशाल तिवारी को फटकार लगाते हुए कहा कि आपका मकसद क्या है। कौन आपको ऐसी अर्जी दाखिल करने के लिए उकसा रहा है। आप बिल्कुल मामले की गम्भीरता को नहीं समझ रहे हैं। ऐसा लगता है कि आप जुर्माना लगवाना चाह रहे हैं।

शिखर सम्मेलन में भाग लेने भारत आएंगे पुतिन

नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन-2025 में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। इस द्विपक्षीय वार्ता में दोनों नेता रणनीतिक साझेदारी और सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। इस वर्ष भारत की मेजबानी में होने वाले सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान औपचारिक रूप से आमंत्रित किया।

धन शोधन: केजरीवाल को लेकर सुनवाई 30 को

नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट से मिली जमानत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा कि वह अभी केजरीवाल की जमानत रद्द करने पर जोर नहीं दे रहा है। ईडी ने कहा केजरीवाल को जमानत देने वाला ट्रायल कोर्ट का आदेश कानून की दृष्टि से गलत है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। जस्टिस रविन्द्र डूडेजा की बेंच ने ईडी की याचिका पर अगली सुनवाई 30 जुलाई को करने का आदेश दिया। सात अगस्त 2024 को सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा था कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से पहले ही अंतरिम जमानत मिल चुकी है। हाई कोर्ट ने कहा कि मैं असमंजस में हूं कि आप करना क्या चाहते हैं। क्या आप केजरीवाल को फिर से गिरफ्तार करने जा रहे हैं।

दिल्लीवासियों के लिए एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 311 का ऐलान

नई दिल्ली

मानसून से पहले दिल्ली सरकार ने सोमवार को नागरिक सेवाओं की शिकायतों के लिए एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 311 ऐलान किया है। राजधानी में अब नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली लोक निर्माण विभाग जल बोर्ड और फ्लड विभाग से जुड़ी सभी नागरिक सेवाओं की शिकायतें एक ही नंबर 311 पर दर्ज की जा सकेंगी। इस एकीकृत हेल्पलाइन नंबर की घोषणा सोमवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने एनडीएमसी के कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का निरीक्षण करने के बाद की। मंत्री ने कहा कि वन दिल्ली, वन नंबर यही हमारा लक्ष्य है। अब लोगों को यह सोचने की जरूरत नहीं कि समस्या किस विभाग की है। नागरिक केवल 311 पर कॉल करें और उनकी शिकायत संबंधित विभाग तक तुरंत पहुंचा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह नई व्यवस्था खासतौर से मानसून सीजन को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। जलभराव, टूटी सड़कें, बंद नाले या ओवरफ्लो सीवर जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को अब किसी विभाग के चक्कर नहीं काटने होंगे।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में 15 मई को सुनवाई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टाल दिया है । चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई होनी है और वे 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसलिए इस मामले को जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष 14 मई को सुनवाई की जाए। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि ये संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि वक्फ कानून में संशोधन संपत्तियों के धर्मनिरपेक्ष प्रबंधन के लिए है। केंद्र सरकार ने हलफनामे में कहा है कि वक्फ संशोधन कानून किसी भी तरह से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन नहीं करता है।

ये संशोधन सरकार के कार्यक्षेत्र के तहत किया गया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि जो संपत्तियां पहले से वक्फ के रुप में रजिस्टर्ड हैं उन्हें बाय यूजर के प्रावधान से कोई असर नहीं पड़ेगा।

ये गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि इससे सदियों पुराने वक्फ संपत्तियों पर असर पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट में 17 अप्रैल को केंद्र सरकार ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून के विवादित प्रावधान फिलहाल लागू नहीं होंगे। यानी फिलहाल इस कानून पर यथास्थिति बनी रहेगी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से

किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर तय होगा चीनी मिलों का कमांड एरिया: योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चीनी मिलों को गन्ना खरीद के लिए आवंटित कमांड एरिया का निर्धारण उनके द्वारा किसानों को किये जा रहे गन्ना मूल्य भुगतान के रिकॉर्ड के आधार पर किया जाए। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसानों को समयबद्ध भुगतान मिले। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जो मिलें भुगतान में देरी या हीलाहवाली करें, उनके विरुद्ध सख्ती होगी। यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सोमवार को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में विभागीय प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गन्ना मूल्य भुगतान, उत्पादकता, आधारभूत संरचना, रोजगार और भावी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर गन्ना पैदावार के लिए किसानों को उन्नत किस्म के बीज समय पर उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), चीनी मिलों और गन्ना समितियों को मिलकर कार्य करना होगा। मिल प्रतिनिधियों, समिति पदाधिकारियों और केवीके के अधिकारियों को खेतों का दौरा कर फसल का अवलोकन करना चाहिए और किसानों से सतत संवाद बनाए रखना चाहिए। साथ ही, किसान गोष्ठियों में मंत्रीगण की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने गन्ना समितियों को और सशक्त करने की आवश्यकता भी जताई। मुख्यमंत्री ने वर्तमान 142 कार्यदिवसों को बढ़ाकर 155 दिन करने की जरूरत बताई, साथ ही, कोऑपरेटिव व फेडरेशन की चीनी मिलों की गहन समीक्षा के निर्देश दिए।

नीट यूजी में आधार फेस ऑथेंटिकेशन का सफल परीक्षण

नई दिल्ली

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नई दिल्ली में नीट यूजी 2025 परीक्षा के दौरान फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह पहल नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के सहयोग से की गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के अनुसार परीक्षण सफल रहा। इस पहल ने यह भी दिखाया कि आधार फेस ऑथेंटिकेशन बड़े पैमाने पर परीक्षाओं में एक सुरक्षित, स्केलेबल और छात्र अनुकूल समाधान हो सकता है। इससे भविष्य में परीक्षा प्रणाली में पहचान संबंधी धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद मिल सकती है। इस परीक्षण का उद्देश्य उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने के लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। चयनित परीक्षा केंद्रों पर इसे एनआईसी की डिजिटल प्रणाली और एनटीए की परीक्षा प्रक्रियाओं के साथ एकीकृत किया गया। फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक को वास्तविक समय में आधार के बायोमेट्रिक डाटाबेस का उपयोग करते हुए लागू किया गया। इससे यह प्रक्रिया पूरी तरह संपर्करहित और तेज बनी रही। परीक्षण के परिणामों ने उम्मीदवारों की पहचान सत्यापन में उच्च स्तर की सटीकता और दक्षता को दर्शाया।

जज वर्मा कैश केस: कमेटी ने जांच रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली

अपने आवास से नकदी मिलने के बाद चर्चा में आए इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ गठित जांच आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक नोटिफिकेशन के जरिए इसकी सूचना दी। जांच कमेटी ने 4 मई को सुप्रीम कोर्ट को ये रिपोर्ट सौंपी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा था कि वो दिल्ली हाई कोर्ट से ट्रांसफर किए गए जस्टिस यशवंत वर्मा को कोई भी न्यायिक कार्य न सौंपें। जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से 14 मार्च को नकदी मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक जांच कमेटी के गठन का आदेश दिया था। राष्ट्रपति ने जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। इसी आदेश के बाद चीफ जस्टिस ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को जस्टिस वर्मा को कोई भी न्यायिक कार्य नहीं सौंपने का आदेश दिया।

पानी पर पंजाब ओछी राजनीति न करे: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानी के मुद्दे पर पंजाब ओछी राजनीति कर रहा है। इससे पहले भी एसवाईएल मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को दर किनार किया। पानी प्राकृतिक स्त्रोत है और यह देश की धरोहर है। आज भी हरियाणा के हिस्से का पीने का पानी न देने पर मान सरकार ने पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया, जो अनैतिक है और भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक के उपरांत पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव सिख समाज के दसो गुरूओं द्वारा दिखाए मार्ग के खिलाफ है। मान सरकार को गुरूओं के वचन को निभाना चाहिए और बिना शर्त पानी छोडना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व आप पार्टी इंडी गठबंधन का हिस्सा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बाबा साहिब के पवित्र सविधान का सम्मान करे। सविधान की पुस्तक गांव गांव लेकर घूमते है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव की हरियाणा मंत्रिमंडल ने घोर निंदा की है।

उन्होंने कहा कि 1966 से पहले पंजाब व हरियाणा एक ही था। मान साहब इस प्रकार की छोटी राजनीति छोडकर विकास की राजनीति को अपनाए और पंजाब के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो भी राजनीतिक दल रहे है पंजाब के लोगों ने एक -एक को जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने मान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जिस प्रकार पंजाब के लोगों ने कांग्रेस को लाइन में खडा कर दिया उसी प्रकार आप को भी खडा कर देंगे। आज पंजाब विधानसभा में बीबीएमबी को भंग करने के सम्बंध में पारित किए गए प्रस्ताव पर पुछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीबीएमबी लोकसभा से पारित एक स्वायत निकाय है और केंद्र सरकार के अधीन है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार न तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मानता, न सविधान को मानता और भारतीर संघीय ढांचे की अवेहलना करता है। एक सिस्टम है उस पर देश चलता है। उन्होंने पंजाब के नेताओ से आग्रह किया है कि गुरूओं ने जो रास्ता दिखाया उस पर मान सरकार को चलना चाहिए। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी, सूचना, महानिदेशक के.एम पांडुरंग, मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे भी उपस्थित रहे।

गहलोत मानसिक संतुलन खो बैठे हैं, अच्छे विचार होते तो कांग्रेस की देश में ऐसी दुर्गति नहीं होती : सीएम

'कभी सभी राज्यों में सरकार थी, अब दो राज्यों में सिमट गई है।'

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। गुजरात दौरे पर गए सीएम भजनलाल ने गहलोत के एक्स पर किए तंज का जवाब दिया, जिसमें गहलोत ने भाजपा सरकार पर तंज कसा था। भजनलाल शर्मा ने कहा, हम सरदार वल्लभभाई पटेल के स्मारक पर आए हैं। यहां से देश को मजबूत करने की प्रेरणा मिलती है। गहलोत मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अगर उनमें अच्छे विचार होते तो कांग्रेस की देश में ऐसी दुर्गति नहीं होती। कभी सभी राज्यों में सरकार थी, अब दो राज्यों में सिमट गई है।

दरअसल, मुख्यमंत्री और भाजपा विधायकों के गुजरात में प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने को लेकर अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर टिप्पणी की थी। उन्होंने लिखा कि जब भाजपा ने कांग्रेस सरकार गिराने की कोशिश की थी, तब हमें विधायकों को एकजुट रखने के लिए होटल में ठहराना पड़ा था ताकि भाजपा का प्रलोभन काम न करे। उन्होंने आरोप

लगाया कि भाजपा धनबल का इस्तेमाल करती है लेकिन उस समय सत्य की विजय हुई थी और कांग्रेस की सरकार चली थी। गहलोत ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए लिखा कि यह पहली बार देखा जा रहा है कि सरकार बनने के डेढ़ साल बाद प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा हाईकमान को लगता है कि राजस्थान की सरकार अब तक असफल रही है, इसीलिए उसे प्रशिक्षण की जरूरत है? साथ ही उन्होंने गर्मी, बिजली-पानी की किल्लत और बिगड़ती कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि जब जनता परेशान है, तब पूरी भाजपा सरकार गुजरात के एक आलीशान रिजॉर्ट में मौज-मस्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता इस रवैए को भूलेगी नहीं।गहलोत के इस बयान का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो टूक कहा कि अशोक गहलोत का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है और वह निराशा में तथ्यहीन आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता के हित में काम कर रही है और प्रशिक्षण कार्यक्रम नेतृत्व क्षमता को और मजबूत करने के लिए आयोजित किया गया है। राजनीतिक हलकों में इस बयानबाजी को लेकर चर्चाएं तेज हैं और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में दोनों दलों के बीच सियासी टकराव और बढ़ सकता है।

पूर्व कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर ईडी की गिरफ्त में, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

एजेंसी

चंडीगढ़ । कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप में दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दीन दयाल आवास योजना से जुड़े वित्तीय घोटाले के सिलसिले में हुई है, जिसमें छौक्कर और उनकी कंपनी पर करीब 1500 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। ईडी ने छौक्कर को दिल्ली के पांच सितारा होटल शांग्रीला से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद ईडी उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी में है, जहां उनसे पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की जा सकती है। इस कार्रवाई ने हरियाणा की राजनीति में भूचाल ला दिया है, क्योंकि छौक्कर को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बेहद करीबी माना जाता है। आरोप के मुताबिक, छौक्कर की कंपनी साई आइना फॉर्म्स ने गुरुग्राम में लोगों को घर देने का वादा कर उनसे भारी-भरकम राशि वसूली। हालांकि, न तो लोगों को घर दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने करीब 1500 लोगों के साथ धोखाधड़ी की, जिसमें बड़े पैमाने पर धन का दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग शामिल है। यह घोटाला दीन दयाल आवास योजना के तहत गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए घर उपलब्ध कराने की योजना से जुड़ा है, जिसका गलत इस्तेमाल कर लोगों की गाढ़ी कमाई को हड़पने का आरोप है। इस मामले में केवल धर्म सिंह छौक्कर ही नहीं, बल्कि उनके बेटे सिकंदर छौक्कर भी जांच के दायरे में हैं। सिकंदर पर 400 करोड़ रुपये के एक अन्य घोटाले में शामिल होने का भी आरोप है, जिसके लिए ईडी ने अलग से केस दर्ज किया है। पिता-पुत्र की जोड़ी पर सैकड़ों लोगों को ठगने और उनकी मेहनत की कमाई को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप है।धर्म सिंह छौक्कर का राजनीतिक करियर भी काफी चर्चित रहा है। वे हरियाणा के समालखा विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके हैं और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे हैं।

केदारनाथ यात्रा बनी महिला सशक्तिकरण की मिसाल

देहरादून। केदारनाथ यात्रा से इस वर्ष भी रुद्रप्रयाग जनपद की सैकड़ों महिलाओं को रोजगार मिला है। करीब 150 महिला स्वयं सहायता समूह प्रसाद निर्माण, स्थानीय उत्पादों की बिक्री, जलपान गृह संचालन और होमस्टे जैसी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इससे स्थानीय आर्थिकी को नया बल मिला है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा महिला समूहों के लिए आजीविका का मजबूत आधार बन रही है। सरकार महिला समूहों को स्टॉल, प्रशिक्षण और संसाधनों की हर संभव सहायता दे रही है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील भी की। केदारनाथ प्रसाद की ऑनलाइन भी खरीद की जा सकती है। इसके साथ ही उद्योग विभाग के भटवाड़ीसैंण स्थित ग्रोथ सेंटर में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति सोवेनियर के रूप में तैयार की जाती है, जिसे श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर से स्मृतिचिह्न के रूप में अपने साथ ले जाते हैं।जिला उद्योग केंद्र रुद्रप्रयाग की ओर से संचालित इस ग्रोथ सेंटर का भी स्थानीय महिलाएं ही संचालन करती हैं। इस वर्ष अब तक पांच हजार प्रतिकृतियां तैयार की जा चुकी हैं और यह क्रम जारी है।

पुंछ के सुरनकोट में संदिग्ध आतंकी ठिकाने से गोला-बारूद का भंडार बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में स्थानीय पुलिस और सेना की रोमियो फोर्स ने सुरनकोट गांव में संयुक्त अभियान के दौरान एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। इस ठिकाने से गोला-बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुंछ पुलिस ने संदिग्ध ठिकाने की तस्वीरें जारी कीं हैं। अधिकारियों के अनुसार, यहां से पांच इम्प्रोवाइज्ड

एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), कई रेडियो सेट, तार, दूरबीन और कंबल बरामद किए गए हैं। यह बड़ी कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी द्वारा पीसीआर कश्मीर में एक संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित करने के ठीक एक दिन बाद हुई है। बैठक में पुलिस, सेना, खुफिया एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) सहित कई सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने भाग लिया था। अधिकारियों ने आईजीपी कश्मीर को समग्र सुरक्षा परिदृश्य के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें घाटी में मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल करने पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया गया।

कांग्रेस के नेता भारतीय सेना का गिरा रहे मनोबल, अपने किए पर करे गौर : सुधांशु त्रिवेदी

'कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता सेना को निशाना बनाकर बयानबाजी कर रहे हैं।'

एजेंसी

नई दिल्ली । पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक तरफ जहां भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव की स्थिति है तो दूसरी ओर देश में सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के बयानों पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बड़ा हमला बोला है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव है। पाकिस्तान सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है, वहीं कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता सेना को निशाना बनाकर बयानबाजी कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस और भारत के नेता कहते हैं कि वे सरकार के साथ हैं, लेकिन दूसरी तरफ उनके नेता देश के खिलाफ बयान देते हैं और सशस्त्र बलों का मनोबल गिराते हैं। यह वैसा ही है जैसा पाकिस्तान करता है लेकिन अपनी भूमिका से इनकार करता है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं ज्यादा मजबूत है कि वहां कोई भी विपक्षी नेता सेना का मनोबल गिराने वाला बयान नहीं दे रहा लेकिन भारत में ऐसे बयानों की झड़ी लगी हुई है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पाकिस्तान में

अगर कोई सत्र या सर्वदलीय बैठक बुलाई जा रही है, तो वहां कोई भी राजनीतिक दल सेना या सरकार के खिलाफ नहीं बोल रहा है, न तो प्रत्यक्ष रूप से, न ही अप्रत्यक्ष रूप से, न ही खुलकर और न ही व्यंग्यात्मक रूप से। लेकिन यहां लगातार इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। इसलिए मैं साफ तौर पर कहता हूं कि देश की जनता को यह समझने की जरूरत है और कांग्रेस पार्टी को अपने किए पर गौर करने की जरूरत है। इन चंद नेताओं को पाकिस्तानी सेना के लिए चीयरलीडर की भूमिका निभाना बंद करना चाहिए। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को बताना चाहता हूं कि यह बिल्कुल सच है। जब राफेल आया तो हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह फ्रांस गए और उस पर स्वास्तिक बनाया। शायद उन्हें पता नहीं है कि भारतीय सेना में धार्मिक शिक्षक नियुक्त हैं। जब सैनिक युद्ध में जाते हैं, तो उनकी धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाता है और उनकी परंपराओं के अनुसार अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि वे यहां क्या मजाक कर रहे हैं? क्या वे सिर्फ इसलिए हिंदू धार्मिक भावनाओं का मजाक उड़ा रहे हैं क्योंकि राफेल पर स्वास्तिक बनाया गया था? वहीं पाकिस्तानी सेना कलमा पढ़ने की बात करती है और ये लोग हिंदू धार्मिक भावनाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि भारतीय सेना में कई रेजिमेंट हैं और उनके युद्ध के नारे पूरी तरह से धार्मिक भावनाओं पर आधारित हैं।

उन्होंने आगे कहा कि बिलावल भुट्टो ने कहा था कि अगर पानी रोका गया तो खून की नदियां बहेंगी। मैंने यह पहले भी कहा है और मैं इसे दोहराना चाहता हूं, हमारी सरकार अब बहुत स्पष्ट है कि हमारी तरफ से खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। अब आप तय करें कि आप खून बहाना चाहते हैं या पानी।

'ये सिर्फ पब्लिसिटी के लिए...', पहलगाम हमले को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दायर की गई जनहित याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि इसमें कोई पब्लिक हित नहीं, बल्कि यह पब्लिसिटी के लिए दाखिल की गई है। दरअसल, याचिका में पहलगाम में आतंकी हमले का हवाला देते हुए दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में जाने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्यों को निर्देश दिए जाने की मांग की गई थी। इसमें यह भी कहा गया था कि आतंकी हमलों के लिहाज से ऐसे संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। इसके अलावा, याचिका में अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश जारी किए जाने की मांग की गई

थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको मामले की गंभीरता का अंदाजा नहीं है। यह याचिका पब्लिसिटी के लिए दाखिल की गई है, इसमें पब्लिक का कोई इंटरेस्ट नहीं है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से भी सवाल किया। उन्होंने कहा, इस तरह की याचिका आपने क्यों दाखिल की? आप चाहते हैं कि हम आपके खिलाफ कोई आदेश जारी करें। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने बीते 1 मई को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को चेतावनी दी थी। अदालत ने कहा था कि इस तरह की याचिका दाखिल करने से बचना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा था कि देश के हर नागरिक के लिए यह कठिन समय है और मामले की गंभीरता को समझना चाहिए। साथ ही इस तरह की याचिका दाखिल करने से बचना चाहिए।

राहुल गांधी का ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानना बड़ी बात : संजय राउत

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऑपरेशन ब्लू स्टार पर दिए बयान की सराहना करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा कि राहुल गांधी एक साफ-सुथरे और ईमानदार नेता हैं, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने की हिम्मत रखते हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानकर बड़ी बात की है, जबकि उस समय वह राजनीति में नहीं थे। गलती स्वीकार करना राजनीति में दुर्लभ है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह को उनसे सीख लेनी चाहिए। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सेना के जनरल को खोया, लेकिन राहुल ने उस दौर की गलती को स्वीकार कर साहस दिखाया। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेता है। राजनीति

में गलती स्वीकार करना बहुत बड़ी बात होती है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राहुल गांधी से गलती स्वीकार करना और आगे बढ़ना सीखना चाहिए। संजय राउत ने हाल के आतंकी हमलों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷राजनाथ सिंह कहते हैं कि करारा जवाब दिया जाएगा, लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं। देश चाहता है कि आतंकियों को जवाब मिले। जब वह दिन आएगा, हम सरकार के साथ खड़े होंगे। कश्मीर में हालिया आतंकवादी हमले और पुलवामा हमले में 40 जवानों की शहादत के लिए कौन जिम्मेदार हैं? अमित शाह को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए, जैसे 26/11 हमले के बाद शिवराज पाटिल ने इस्तीफा दिया था। जब कड़ी प्रतिक्रिया देने का समय आएगा तो हम निश्चित रूप से सरकार के साथ खड़े होंगे। राउत ने ऑल पार्टी मीटिंग में अपनी अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, हम वहां इसलिए नहीं गए, क्योंकि हम अमित शाह का इस्तीफा मांगते। इससे सरकार की स्थिति असहज हो जाती।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 9 साल बेमिसाल, 238 करोड़ से अधिक सिलेंडर हुए रिफिलः केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना बीते 9 वर्षों में नारी सशक्तीकरण की मिसाल बनी और 10 करोड़ से ज्यादा परिवारों को योजना का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 मई 2016 को शुरू प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 9 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से हुई थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी जैसे स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएमयूवाई शुरू की थी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में

लिखा, उज्ज्वला योजना के 9 साल, 10.33 करोड़ से ज्यादा परिवार खुशहाल! केंद्रीय मंत्री पुरी ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना नारी सशक्तीकरण की मिसाल बनी है और गृहणियों के लिए स्वास्थ्य का वरदान बनी है! केंद्रीय मंत्री पुरी ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएमयूवाई के इन 9 वर्षों में 238 करोड़ से अधिक सिलेंडर रिफिल हुए, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब तक 11,670 नए एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के जुड़ने से सिलेंडर की डिलीवरी सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी संभव हुई। पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन के इस्तेमाल से ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन का पर्यावरण पर भी प्रभाव पड़ता है। यह योजना उन ग्रामीण और वंचित परिवारों के लिए एक वरदान बनी है, जो खाना पकाने के लिए ईंधन के रूप में जलावन, लकड़ी, कोयला, गोबर के उपलों का इस्तेमाल करते थे। पीएमयूवाई का उद्देश्य गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना डिपॉजिट के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाना है। इस योजना के साथ केंद्र सरकार स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही है।

मप्र के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर में लगी आग से हड़कंप, आग पर पाया गया काबू

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। बताया गया है कि मंदिर परिसर स्थित फैसिलिटी सेंटर के ऊपर रखे जनरेटर में आग लग गयी, जिससे यह हादसा हुआ। लेकिन श्रद्धालुओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचने की बात कही जा रही है। सूचना मिलने पर समय पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गयी हैं। आग बुझाने पर लगी हुई है। इस संबंध में मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर परिसर में शंख द्वार के ऊपर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की

बैटरियां रखी हैं जिसमें गर्मी के चलते आग गई थी। आग पर काबू पा लिया है। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

'राफेल' पर अजय राय का बयान, शर्मनाक और पूरी तरह अनुचितः तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती के साथ खड़ा है। उन्होंने दावा किया कि आतंक और आतंकवादियों को पनाह देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, कांग्रेस नेता अजय राय की राफेल को लेकर की गई टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया है। सोमवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान तरुण चुघ ने यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय के 'राफेल' पर दिए बयान पर कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से भारत के बहादुर सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र चला रही है। जिन हथियारों की हमारे सैनिक पूजा करते हैं और हमारे देश की रक्षा के लिए उपयोग करते हैं, उन्हीं हथियारों का कांग्रेस पार्टी मजाक उड़ा रही है और पाकिस्तान की सहायता करने का अपराध कर रही है। उनके कृत्य निंदनीय, शर्मनाक, अश्लील, मूर्खतापूर्ण और पूरी तरह अनुचित हैं और वे राष्ट्र

विरोधी हैं। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि राफेल पर नींबू-मिर्च मैंने नहीं बांधा है। सभी को ध्यान होगा कि जब राफेल भारत आया था, उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर नींबू-मिर्च बांधा था। राफेल पर नींबू-मिर्च सरकार ने बांधा है, मैं बस याद दिला रहा हूं कि राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेंगे और राफेल अपना काम कब करेगा। देश की जनता यह जानना चाहती है। पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए, उनका परिवार आज जानना चाहता है कि राफेल नींबू-मिर्च के लिए आया है या फिर अपना काम करने के लिए। दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून की सुनवाई पर कहा कि वक्फ अधिनियम वर्षों से भूमि जिहाद के लिए कानूनी ढाल बन गया था। मोदी सरकार ने अब न्याय की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठाया है। अब से वक्फ का पैसा गरीबों, असहायों, विधवाओं, बहनों, अनाथों और वंचित बच्चों के कल्याण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। पिछड़े, बेसहारा मुस्लिम वक्फ की कमेटियों में जाएंगे। वक्फ भू-माफियों ने करोड़ों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा किया था। इसे कांग्रेस का समर्थन मिला। अब कानून हिसाब करेगा। भारत अब तुष्टिकरण की राजनीति से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा।

पुलिस से बचने के लिए बांग्लादेशी बने ट्रांसजेंडर, चार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेनर्स सेल की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आजादपुर सब्जी मंडी इलाके से चार अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी संदिग्ध अपने को ट्रांसजेंडर बताकर दिल्ली की सड़कों पर भीख मांगने और अन्य गतिविधियों में संलिप्त थे। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ अवैध बांग्लादेशी नागरिक ट्रांसजेंडर के रूप में पहचान छुपाकर दिल्ली में सक्रिय हैं। सूचना को पुख्ता कर जिले की फॉरेनर्स सेल ने महेन्द्रा पार्क थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इंस्पेक्टर विपिन कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया और आजादपुर सब्जी मंडी के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। इन मोबाइल फोन में प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में घुसे थे। उन्होंने अपनी पहचान छुपाने के हार्मोनल इंजेक्शन और मामूली सर्जरी करवाई थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अरमान उर्फ ईशा (21), आरिफ उर्फ शिल्पा (26), जाहिद उर्फ मौसमी (21), और बाबुल उर्फ पाखी (40) के रूप में हुई है।

आतंकवादियों को सरकार ऐसा जवाब देगी कि उनकी आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी: कुलजीत चहल

नई दिल्ली । एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवाद के खिलाफ हमेशा कड़ा जवाब देती है और पाकिस्तान को इस बार भी करारा जवाब दिया जाएगा। देश के लोग जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुश्मनों को उसी भाषा में जवाब देंगे। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस बयान पर कुलजीत चहल ने कहा कि पाकिस्तान ने जो गलती की है, उसकी कीमत उसे चुकानी पड़ेगी। एक बड़ा कदम उठाया जाएगा, जिसे देश और दुनिया देखेगी। और जो आतंकवादी हैं या आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें ऐसा जवाब मिलेगा कि उनकी आने वाली पीढ़ियां भी इसे याद रखेंगी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जैसा आप चाहते हैं, वैसा होकर रहेगा। देश के लोग जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुश्मनों को उसी भाषा में जवाब देंगे।

'वक्फ' पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बोले, 'सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है कि वह कानून की समीक्षा कर सकता है'

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर फिर से सुनवाई करेगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है कि वह कानून का रिव्यू कर सकता है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने से बात करते हुए कहा, हम वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हैं और हमारी तरफ से एक एफिडेविट भी दाखिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई है और सरकार की तरफ से भी हलफनामा दाखिल किया गया है, जो झूठ है और सरकार यह भी कह रही है कि इस कानून को रोक नहीं सकते। मैं बता देना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट को पावर है कि वह कानून का रिव्यू कर सकता है। साथ ही वह उस पर रोक भी लगा सकता है।उन्होंने आगे कहा, सरकार झूठ बोल रही है और गलत बयानी कर रही है। वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण सरकार का है और यह कभी सरकार से ऊपर नहीं रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या लोकतंत्र में तानाशाही चल रही है, जो भी बना दिया जाएगा, उसे खुदा का आदेश माना जाएगा? सुप्रीम कोर्ट को यह हक है कि वह कानून का रिव्यू करें, अगर सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि यह सही है तो सरकार कैसे कह सकती है कि इस कानून को रोक नहीं सकते।

पाकिस्तान से तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी और वायुसेना प्रमुख के बीच हुई महत्वपूर्ण मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट तक प्रधानमंत्री से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। इससे पहलेनौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। मौजूदा समय में यह मुलाकातें काफी अहम हैं। खास तौर पर यह तब और भी अहम हो जाती है जब पाकिस्तान बीते 10 दिनों से नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर शिकंजा कसा हुआ है। इस आतंकवादी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए संघ और संस्कृत भारती ने एक मजबूत अभियान शुरू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती, बल्कि सभी भाषाओं को सशक्त बनाना चाहती है। यह बातें शाह ने संस्कृत भारती द्वारा आयोजित 1008 संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कही। अमित शाह ने कहा कि संस्कृत अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी है। यदि संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। शाह ने कहा कि संस्कृत के अमृत ज्ञान को सरल भाषा में दुनिया तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील की कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें। उन्होंने

बताया कि सरकार ने पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटाइजेशन के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में हजारों लोगों ने भाग लिया, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत को कठिन मान लिया गया है, जबकि यह सबसे वैज्ञानिक भाषा है। आज दुनिया के 60 विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। संस्कृत की उपयोगिताओं को देखते हुए संस्कृत भारती ने दिल्ली के लोगों को संस्कृत बोलने का विशाल प्रशिक्षण शिविर चलाया। दिल्ली के सभी जिलों में 1008 स्थानों पर 23 अप्रैल से 03 मई तक संस्कृत संभाषण शिविरों का संचालन किया। दस दिनों तक रोजाना दो घंटे व्यवहारिक तरीकों से संस्कृत बोलना सिखाया गया। शिविरों के जरिए करीब 20 हजार प्रतिभागियों ने लिया। संस्कृत बोलना सीखने को लेकर प्रतिभागियों में उत्साह रहा। विभिन्न उम्र वर्ग के प्रतिभागी बच्चे, बड़े, बुजुर्ग, नौकरीशुदा, व्यापारी व गृहणियों ने संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण की खास बात यह रही कि दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के शिक्षकों ने प्रतिभागियों को संस्कृत का व्यवहारिक ज्ञान दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया।

एनडीएमसी प्रतिदिन एक घंटे का मेगा स्वच्छता अभियान- 'श्रमदान ' चलाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने सभी 14 स्वच्छता सर्किलों में 'श्रमदान' के रूप में नई दिल्ली क्षेत्र में एक मेगा स्वच्छता अभियान शुरू करने जा रही है। इस पहल में एनडीएमसी के हर विभाग के सभी कर्मचारी शामिल होंगे, जो प्रतिदिन सुबह 8:00 से 9:00 बजे तक भाग लेंगे और इसमें उत्साही आम जनता और क्षेत्रीय निवासी भी शामिल होंगे। एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र के अनुसार यह केवल एक अभियान नहीं है। यह पूरे शहर में बदलाव का प्रयास है। इसमें प्रत्येक कर्मचारी और प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। सभी कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन केवल एक घंटा देने और हमारे नोडल अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से, यह परिवर्तन स्पष्ट, प्रभावशाली और स्थायी महत्व का होगा। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व नागरिक पहल पहली बार की जा रही है, जब एनडीएमसी का प्रत्येक कर्मचारी नियमित कार्यालय कार्य शुरू करने से पहले एक घंटे की फील्ड में सफाई के प्रयास में शामिल होगा। जिससे अब यह प्रयास एनडीएमसी द्वारा अब तक चलाए गए सबसे बड़े नागरिक स्वच्छता अभियानों में से एक बन जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि श्रमदान अभियान के कुशल क्रियान्वयन और इसमें जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, 14 विभागाध्यक्षों को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। जिनमें से प्रत्येक एक स्वच्छता सर्कल के लिए जिम्मेदार है। ये अधिकारी सभी फील्ड गतिविधियों का समन्वय करेंगे, कर्मचारियों की तैनाती की निगरानी करेंगे। स्वच्छता प्रयासों की निगरानी करेंगे और फील्ड में दैनिक रिपोर्टिंग और अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। इस अभियान के लिए संसाधन जुटाने और रसद के रूप में एनडीएमसी ने स्वच्छता उपयोगी और सूचना, शिक्षा, संचार सामग्री की व्यापक आपूर्ति की व्यवस्था भी की है।

'दूसरी FIR दर्ज करने की जरूरत नहीं', बदलापुर एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत दी। पीठ ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल, पिछले साल ठाणे जिले के बदलापुर में नाबालिग मासूम बच्ची का यौन शोषण किया गया था। इसके बाद आरोपी अक्षय शिंदे को 23 सितंबर 2024 को पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। इस मामले को लेकर अक्षय शिंदे के परिवार की तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई और उन्होंने ठाणे पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगाया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान प्राथमिक तौर पर इस एनकाउंटर को संदिग्ध मानते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

इसके साथ ही पिछले हफ्ते कोर्ट ने ठाणे पुलिस कमिश्नर को फटकार लगाते हुए 4 घंटे में इसका जवाब

मांगा था। इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया। अदालत ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और ठाणे पुलिस को बड़ी राहत दी।

अदालत ने कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि इसकी जांच की जा सकती है, लेकिन दूसरी एफआईआर दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे पर दो नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। बाद में शिंदे पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। जानकारी के अनुसार, अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से बदलापुर स्थानांतरित किया जा रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर उसने एक पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर गोली चला दी थी। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया था और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

देश के कई राज्यों में आठ मई तक आंधी-तूफान और बरसात का पूर्वानुमान, ओडिशा के लिए आज का दिन भारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में आगामी 08 मई तक आंधी-तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली गिरने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी डॉ. संजीव द्विवेदी ने कहा कि आज ओडिशा में भारी बरसात हो सकती है। इसकी चेतावनी पहले ही जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस चेतावनी के दायरे में ओडिशा के मयूरभंज, क्योंझर, बालासोर, भद्रक और गजपति जिला शामिल हैं। इस दौरान ओलावृष्टि भी हो सकती है। कल भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। 07-08 मई को हलकी बारिश होने का पूर्वानुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती इलाकों के साथ ही देश के पूर्व मध्य और पूर्वी इलाकों में गरज के साथ वर्षा की मौजूदा गतिविधियों में सात मई के बाद से कुछ कमी आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच पिछले 24 घंटों में कई जगह तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं। चंबा जिले के चेली गांव के डोंडरा नाला में शनिवार रात बादल फटने से एक बुजुर्ग नाले में बह गया। उसका शव बरामद कर लिया गया है। सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान, मध्य भारत, ओडिशा और झारखंड में कुछ स्थानों पर 70-100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलीं और कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी आई। गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान में भी 40-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। पश्चिम बंगाल के गंगा के तट वाले इलाकों, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, तमिलनाडु पुडुचेरी, केरल , उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान का असर रहा। उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। ओडिशा और मेघालय में कई जगह भारी वर्षा हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब और उत्तर-पश्चिम राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। इसके प्रभाव से 10 मई तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश में तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान राजस्थान में भी छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य करेंगे - आचार्य प्रमोद कृष्णम

एजेंसी

गाजियाबाद। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के राहुल गांधी पर दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से निष्कासित करने को लेकर बयान दिया था। इस मामले पर कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी के हिंदू होने या न होने का निर्णय केवल शंकराचार्य जी ही ले सकते हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य जी करेंगे और यह निर्णय शंकराचार्य जी ही कर सकते हैं। मैं शंकराचार्य जी के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन जहां तक मंदिर जाने की बात है, मंदिर भगवान के द्वार हैं और भगवान के द्वार पर कोई भी जा

सकता है। भगवान के द्वार पर वो भी आ सकता है, जो भगवान को नहीं मानता है। राहुल गांधी को मंदिर जाने से रोकने वाले बयान का मैं समर्थन नहीं करता। उन्होंने सनातन धर्म की उदारता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में किसी भी समुदाय के व्यक्ति, चाहे वह मुस्लिम हो या ईसाई, मंदिर में दर्शन के लिए जा सकता है। यह सनातन धर्म की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को दर्शाता है। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह बयान अजय राय का नहीं, बल्कि राहुल गांधी का है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान का अपमान करना, संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाना और भारत के शौर्य को कलंकित करना राहुल गांधी का स्वभाव बन चुका है। आचार्य प्रमोद ने कहा, अजय राय में इतनी हिम्मत नहीं कि वह स्वतंत्र रूप से ऐसा बयान दे सकें। यह बयान राहुल गांधी ने बुलवाया होगा। इस तरह के बयान कांग्रेस की कार्यशैली का हिस्सा हैं। राहुल गांधी के ब्राउन यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न तो 'राम-राम' बोलते हैं, न 'जय श्री कृष्ण' कहते हैं, न 'वंदे मातरम' का उच्चारण करते हैं और न ही 'जय श्री राम' का नारा लगाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हमेशा से भगवान राम को काल्पनिक मानते रहे हैं।

पाकिस्तान के मुद्दे पर आचार्य प्रमोद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली, नाबालिग समेत दो को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के तिलक मार्ग स्थित भैरों मंदिर के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल को राहगीरों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं अस्पताल से मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज किया।जांच में घायल की पहचान आरके सिंह के रूप में हुई। उनकी चांदनी चौक स्थित तिलक बाजार में परफ्यूम की दुकान है। उन्होंने बताया कि उनके पास घटना के समय ज्यादा नकद नहीं था और घटना के दौरान कोई लूटपाट नहीं हुई। नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश महला ने बताया कि दो 2 मई की रात करीब 10 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल व्यक्ति की पहचान आर. के. सिंह के रूप में हुई। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि रात करीब नौ बजे वह भैरों मंदिर के पास थे, तभी बाइक सवार कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर फायरिंग की।

डीसीपी के अनुसार घटना को गंभीरता से लेते हुए तिलक मार्ग थाने में हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपियों की पहचान कर एक नाबालिग समेत दो लोगों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपित की पहचान प्रशांत उर्फ गोविंद (21) के रूप में हुई है और दूसरा नाबालिग है ।

दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र 13-14 मई को, सीएम रेखा गुप्ता ने विधायकों के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। सरकार ने 13 और 14 मई को विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का फैसला किया है। बैठक में सत्र के दौरान संभावित विधेयकों और विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के बाद भाजपा विधायक शिखा राय ने बताया कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने सरकार की मौजूदा और आगामी योजनाओं पर चर्चा की। इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और जनता तक उनका लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से, 20 दिवसीय स्वच्छता अभियान की शुरुआत होने वाली है, जिसमें सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए निर्देश दिए गए हैं। शिखा राय ने कहा कि इस अभियान के जरिए दिल्ली को स्वच्छ बनाने का वादा पूरा किया जाएगा।भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने बताया कि इस सत्र में दिल्ली के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होगी। इनमें शिक्षा से संबंधित विधेयक और मानसून के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से निपटने के लिए प्रस्ताव शामिल हो

सकते हैं। हालांकि, विधेयकों का विस्तृत ब्यौरा अभी सामने नहीं आया है, लेकिन सत्र की तारीखें 13 और 14 मई तय की गई हैं। भाजपा विधायक ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि बैठक में मानसून की तैयारियों, नालों से गाद निकालने, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, टेंडर माफिया को खत्म करने और पानी की उचित व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकें सरकार और विधायकों के बीच समन्वय के लिए नियमित रूप से आयोजित होती हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह बैठक विशेष सत्र की तैयारियों और जनता के मुद्दों को सुलझाने के लिए थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी विधायक अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाएंगे और उनका समाधान निकालेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार जनता के लिए सप्ताह में सातों दिन-चौबीसों घंटे काम कर रही है। चाहे मौसम, सड़कों की स्थिति या जलभराव की समस्या हो, हर क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हाल की रिकॉर्ड बारिश के बावजूद जलभराव की स्थिति को एक घंटे में नियंत्रित कर लिया गया। सीएम ने कहा कि 27 साल के बैकलॉग को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और सचिवालय हर दिन जनता की सेवा के लिए खुला रहता है।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने बंगाली मार्केट में रात के विशेष सफाई अभियान का नेतृत्व किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने विकसित एनडीएमसी 2047 मिशन के तहत रात के समय बंगाली मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस चौथे चरण के अभियान का नेतृत्व एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने किया।इससे पूर्व एनडीएमसी द्वारा खान मार्केट, जनपथ और सरोजिनी नगर जैसे प्रमुख बाजारों में भी इसी प्रकार के रात्रिकालीन सफाई अभियान सफलता पूर्वक चलाए जा चुके हैं।एनडीएमसी अब इन सभी व्यस्त बाजारों में हर रात नियमित रूप से गीली सफाई की व्यवस्था लागू कर रहा है। बंगाली मार्केट में हुए इस अभियान में बंगाली मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के मुकेश गुप्ता-प्रेसिडेंट और प्रमोद गुप्ता-सेक्रेटरी के साथ स्थानीय दुकानदारों, स्वास्थ्य और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सफाई कर्मचारी शामिल हुए।अभियान के दौरान रात 11 बजे से पहले सूखी सफाई और फिर हाई-प्रेशर जेट मशीनों की मदद से सड़कों, नालियों व फुटपाथों की गीली सफाई की गई। एनडीएमसी की

14 सदस्यीय टीम ने सफाई सैनिकों व निरीक्षकों के साथ मिलकर इस कार्य को पूर्ण किया । चहल ने कहा कि रात्रिकालीन सफाई अभियान में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए परिषद द्वारा मैकेनिकल रोड स्वीपर, जेट स्प्रेयर जैसी आधुनिक सफाई मशीनें खरीदी जा रही हैं, ताकि इस मॉडल को अन्य प्रमुख बाजारों और परिषद की आवासीय कॉलोनियों में भी शीघ्रता से लागू किया जा सके।

शहजाद पूनावाला का आरजेडी पर निशाना, कहा- 'इंडी अलायंस अब रावलपिंडी अलायंस बन चुका है'

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्जिकल स्ट्राइक पर आरजेडी नेताओं की ओर से सवाल खड़े करने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह इंडी अलायंस नहीं बल्कि रावलपिंडी अलायंस बन गया है। सोमवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इंडी अलायंस के अंदर यह होड़ लग गई है कि कौन पाकिस्तान का सबसे ज्यादा साथ दे सकता है। पहले कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी और सेना के मनोबल पर हमला किया। अब उन्हीं की राह पर चलते हुए आरजेडी चल रही है। इनके नेता सुधाकर सिंह, सांसद मनोज झा जैसे लोग जो सर्जिकल स्ट्राइक के मुद्दे पर कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में आ जाते हैं, तो एक नेता इनका पुलवामा कैसे हुआ इस पर सवाल उठाते हैं। इनके बयान पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि यह इंडी अलायंस नहीं बल्कि रावलपिंडी अलायंस है और ये लोग लंबे समय से इसी प्रकार काम कर रहे हैं जिससे सेना के मनोबल को कमजोर किया जाए।'राफेल' पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के बयान पर

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के बेहद करीबी कांग्रेस नेता अजय राय ने राफेल के खिलौने से ही नहीं, बल्कि देश की सेनाओं के मनोबल से भी खिलवाड़ किया है। उनके बयान पाकिस्तान में सुर्खियों में हैं। कांग्रेस नेता ने भारत की सैन्य ताकत का मजाक उड़ाया है इसीलिए कांग्रेस अब सिर्फ कांग्रेस नहीं रही, बल्कि देश विरोधी कांग्रेस बन गई है। इनका एक ही उद्देश्य है पाकिस्तान की भाषा बोलना। सुरक्षा बलों का अपमान करना ही इन्हें यही करना आता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि चन्नी सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करते हैं और अजय राय ने जिस प्रकार से राफेल का मजाक बनाया है, इससे कांग्रेस पार्टी का सेना विरोधी चेहरा सामने आया है। ऑल पार्टी मीटिंग में इंडी अलायंस कहती है कि हम सरकार के साथ हैं और बाहर निकलते ही पाकिस्तान को क्लीन चिट दी जाती है।

सिद्धार्थ विहार प्रतीक ग्रांड सोसायटी में बवाल, करोड़ों की संपत्ति जलमग्न, बिल्डर के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

नई दिल्ली। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रांड सोसायटी में जारी निर्माण कार्य में बिल्डर्स की लापरवाही उजागर हुई है। इस लापरवाही से सोसायटी में रहने वाले करीब दो हजार लोगों की करोड़ों की संपत्ति बेसमेंट में भरे गंदे पानी में जलमग्न हो गई। नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और महापौर सुनीता दयाल के निर्देश पर आवास विकास परिषद के अवर अभियंता योगेंद्र कुमार गुप्ता ने प्रतीक ग्रांड सोसायटी के बिल्डर प्रशांत तिवारी और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी कविनगर रितेश त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को प्रतीक ग्रांड सोसाइटी के बेसमेंट में निर्माण कार्य चल रहा था। गड्ढा खोदने के दौरान गंगाजल प्लांट की दीवार ढह गई और नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने से सोसाइटी के बेसमेंट में नाले का गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में तीन दर्जन से अधिक कार, बाइक व

अन्य वाहन खड़े थे। बेसमेंट में गंदा पानी भरने से सोसायटी में रहने वाले लोगों की करोड़ों की संपत्ति जलमग्न हो गई। इस मामले में विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। अवर अभियंता का आरोप है कि बिल्डर प्रशांत तिवारी की लापरवाही की वजह से नाले की दीवार टूटी और बेसमेंट में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ है।

इसके साथ ही प्रतीक बिल्डर्स के टावरों के बेसमेंट में गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में भरे पानी से सोसायटी के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। एसीपी ने बताया कि योगेंद्र कुमार गुप्ता की तहरीर पर बीएनएस के अंतर्गत सरकारी कार्य में बाधा की धारा 290, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा 324(4) और लापरवाही से जीवन को खतरे में डालने की धारा 125 में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संपादक की कलम से

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं।

क्या होती है हैंड हाइजीन, अच्छी सेहत के लिए ये क्यों है जरूरी

5 मई 2025 को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है. दिल्ली सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ रैशनल यूज ऑफ ड्रग्स (ऊरढफवऊ) ने स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग (दिल्ली सरकार) के साथ मिलकर दिल्ली के 350 से अधिक स्कूल शिक्षकों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. स्वच्छ हाथ, उज्ज्वल कक्षाएं: स्वच्छता की शुरूआत हमसे होती है! इसका उद्देश्य स्कूलों और समुदायों में संक्रमण से बचाव में हाथ स्वच्छता के महत्व को उजागर करना था.

इफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ इंडिया (कऋउअक) के अध्यक्ष और हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. रंगा रेड्डी बुरी ने कहा कि शिक्षक बच्चों और समाज के लिए रोल मॉडल होते हैं और वे हाथ स्वच्छता की आदतें फैलाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं.

हैंड हाइजीन क्या है?

हैंड हाइजीन यानी हाथों को साफ रखना और उन्हें बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगाणुओं से मुक्त रखना. हाथों की स्वच्छता के लिए साबुन और पानी का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है.हाथों की स्वच्छता से हम कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं, जैसे कि डायरिया, फ्लू और कई प्रकार के संक्रमण से बचाव होता है. कोरोना काल के दौरान भी हैंड हाइजीन पर काफी जोर दिया गया था.

लोक नायक अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. रविंद्र अग्रवाल, उन्होंने स्कूलों और समुदायों में संक्रमण नियंत्रण पर चर्चा की. उन्होंने कैंटीन, शौचालय, पानी के कूलर और कचरा स्थानों जैसे जोखिम भरे क्षेत्रों पर ध्यान दिलाया. साथ ही, सांस की स्वच्छता, लक्षणों की पहचान, और स्कूल स्तर पर स्वच्छता के अभ्यास को जरूरी बताया. ऊरढफवऊ की अध्यक्ष डॉ. संगीता शर्मा ने कहा, संक्रमण नियंत्रण और टीबी की रोकथाम दोनों ही विषय सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं. शिक्षकों और छात्रों को जागरूक बनाना सरकार के टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को पाने में मददगार होगा. स्कूल इस मिशन के अहम भागीदार हैं.

अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

- ललित गर्ग -

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह

शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निमार्ताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौडे.दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरू किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निमार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दोड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है।

इनदिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

हिटलर जिंदा है!

विपक्षी नेता राहुल गांधी इस समय अमेरिका में हैं। गांधी ने बोस्टन में ब्राउन यूनिवर्सिटी में छात्रों से बातचीत की। छात्रों ने भारत में हो रही घटनाओं के बारे में सवाल पूछे और गांधी के भारत में तानाशाही, असंवैधानिक प्रक्रियाओं, महाराष्ट्र-हरियाणा चुनावों में घोटालों पर कठोर टिप्पणी करते ही भाजपा भक्तों के पेट में मरोड़ उठने लगी। भाजपा ने राग आलापा कि विदेशी धरती पर जाकर देश के मामलों की शिकायत करना उचित नहीं है, लेकिन विदेश में यह परंपरा नरेंद्र मोदी ने ही शुरू की। दूसरी बात यह कि जब किसी देश में स्वतंत्रता और लोकतंत्र को खतरा होता है तो लोकतांत्रिक और मानवतावादी नेता विदेश जाकर एक भूमिका लेते हैं और मदद भी मांगते हैं। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आजादी के लिए विदेशी ताकतों से मदद मांगी और इसके लिए वे जर्मनी गए और हिटलर से भी मिले। उन्हीं नेताजी की एक भव्य प्रतिमा मोदी ने दिल्ली के राजपथ पर लगाई है। राहुल गांधी अमेरिका में हैं और वहां की जनता सभी ५० राज्यों में सड़कों पर उतरकर ट्रंप की तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। न्यूयॉर्क-वॉशिंगटन समेत कई राज्यों में लोगों ने एकजुट होकर मोर्चे निकाले। ट्रंप की मनमानी और देश विरोधी नीतियों की निंदा की। प्रेसिडेंट ट्रंप लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए और अब ह्यबादशाहीह्ल तरीके से शासन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी ह्यहमें ट्रंप की राजशाही अस्वीकार्य है।ह्ल ह्यट्रंप चले जाओ जैसे नारेह्ल लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने ह्यव्हाइट हाउसह्ल और अमेरिकी संसद को घेर लिया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व हीदर डन कर रहे हैं। बकौल हीदर ह्यहमारा आंदोलन शांतिपूर्ण है। हमारा इरादा किसी का अपमान करना या नुकसान पहुंचाना नहीं है। हम देश को एकजुट रखना चाहते हैं और संविधान की रक्षा करना चाहते हैं। इसका मतलब है कि ट्रंप मनमानी कर रहे हैं।ह्ल वे लफ्फाजी कर लोगों को धोखा दे रहे हैं। ट्रंप खुद एक व्यापारी हैं और उन्हें
राजसी ढंग से जीने का
शौक है। वे राष्ट्रवाद, गरीबों के कल्याण पर भाषण देते हैं और उसके ठीक विपरीत कार्य करते हैं। यह ट्रंप की नीति है कि उनके खास दलाल और उद्योगपति मित्रों की मदद की जाए। ट्रंप प्रशासन के तानाशाही रवैये से देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए अमेरिकी जनता सड़कों पर उतर आई। प्रेसिडेंट ट्रंप दुनिया के चौधरी बनते हैं। अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को सलाह देते हैं, लेकिन असल में इस समय उनके अपने अमेरिका में नागरिक अराजकता मची है। जिस तरह भारत में जीएसटी, नोटबंदी जैसी नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था चरमरा गई उसी तरह ट्रंप की ह्यटैरिफह्ल नीति के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। नतीजा यह हुआ कि शेयर बाजार धराशायी हो गया। बेरोजगारी बढ़ी। सरकारी नौकरियों में कटौती हुई। भारत की तरह अमेरिका में भी नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन हो रहा है और मानवाधिकारों को लेकर एक अस्पष्ट भ्रम है। प्रेसिडेंट ट्रंप और उद्योगपति मस्क ने मिलकर अमेरिका की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। लोग मस्क से नाराज हैं और लोगों ने मस्क की ह्यटेस्लाह्ल कारों के शोरूम को भी निशाना बनाया। प्रेसिडेंट ट्रंप अमेरिकी लोगों के बीच अलोकप्रिय हो गए हैं। जो अमेरिका में हो रहा, है वही भारत में हो रहा है। सत्ताधारी भाजपा सांसद खुलेआम सर्वोच्च न्यायपालिका पर हमला बोल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट पर दबाव बनाने की ये कोशिश निंदनीय है। पूर्व चुनाव आयुक्त का जिक्र, ह्यआप मुसलमानों के आयुक्त बनतेह्ल के तौर पर करना चौंकानेवाला और बेशर्मी है। धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति देश को विघटन की ओर धकेल रही है।

कैमरा, 'भूख' और सोशल मीडिया

प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया के युग में भलाई और करुणा अब मौन संवेदनाएं नहीं रहीं। वे कैमरे के फ्रेम में कैद होती जा रही हैं। आज अधिकांश मदद 'लाइक्स' और 'फॉलोवर्स' के लिए की जाती है, न कि सच्ची इंसानियत के लिए। सहायता अब एक 'कंटेंट' बन चुकी है और जरूरतमंद की गरिमा अकसर इस प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाती है। इसलिए यूजर्स को अब आत्मपरीक्षण जरूर करना चाहिए कि क्या हम वाकई मदद कर रहे हैं या बस सोशल मीडिया पर नेकी की तस्वीर गढ़ रहे हैं?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इंसानियत, परोपकार, और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। यह वह स्वाभाविक मानवीय गुण है जो हमें संवेदना, दया, और परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करता है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है-एक ऐसा मंच जहाँ तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे जरूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है।

एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे, उसे कुछ खाने को दे जाते थे। आज वही दृश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है। आधुनिक मानव की आत्मा अब लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की भूखी हो चली है। किसी की मदद करने के बाद हमें तसल्ली तब मिलती है, जब कोई कहे, 'वाह, आप तो बड़े नेकदिल हैं।' पहले मदद करने के बाद मन को जो संतोष मिलता था, अब वह 'फॉलोवर्स बढ़ने' के संतोष से बदला जा चुका है।

यह न केवल इंसानियत की आत्मा को खरोंचता है, बल्कि मदद पाने वाले की गरिमा को भी आहत करता है। वह व्यक्ति जिसे मदद मिली है, उसकी जरूरतें तो पूरी होती हैं, लेकिन उसकी निजता, उसकी आत्मसम्मान की परतें एक-एक कर सोशल मीडिया के सामने उतार दी जाती हैं। सोचिए, अगर कोई कैमरा न हो, कोई दर्शक न हो, कोई ताली बजाने वाला न हो-क्या तब भी आप वही मदद करेंगे? यह प्रश्न हमारे भीतर झांकने की जरूरत को इंगित करता है। करुणा यदि सच्ची है, तो वह गुमनाम रहेगी। यदि उसमें प्रदर्शन है, तो वह करुणा नहीं-डिजिटल ब्रांडिंग है।

आज कई बार लगता है कि सहायता करना एक स्क्रिप्टेड इवेंट बन चुका है। वीडियो में सबसे पहले मदद मिलने वाले व्यक्ति की दयनीय स्थिति को दिखाया जाता है, फिर सहायता प्रदान की जाती है, और अंत में किसी नायक की तरह मददकर्ता का चेहरा। यह सब इतनी सफाई से किया जाता है कि वीडियो फिल्म जैसी लगती है-संगीत के साथ, टाइटल के साथ, और अंत में एक गूढ़-सा संदेश।

इस सारी प्रवृत्ति में सबसे अधिक पीड़ित होती है नैतिकता। किसी की जरूरत को दिखावा बना देना उस व्यक्ति के अस्तित्व पर हमला है। एक भूखे की भूख अगर कैमरे में रिकॉर्ड न हो तो क्या उसका दुख कम है? क्या दया केवल तभी योग्य है जब वह पब्लिक डोमेन में हो? यह नई नैतिकता सिर्फ दूसरों के सामने दिखने के लिए जीती है। अब 'कृपा' भी एक मुद्रा बन गई है-जिसे दिखाना पड़ता है, गिनाना पड़ता है। स्वार्थरहित सेवा का स्थान स्वार्थयुक्त प्रदर्शन ने ले लिया है।

कल्पना कीजिए एक दृश्य-एक व्यक्ति सड़क किनारे बेहोश पड़ा है। एक 'सोशल वॉरियर' आता है, और उसके साथ उसका कैमरामैन। सबसे पहले कुछ तस्वीरें, फिर एक वीडियो- 'हमने इनको उठाया, पानी पिलाया, एंबुलेंस बुलाई' और फिर कैप्शन-हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं...।

कमेंट्स आते हैं—वाह भाई साहब, आप तो फरिश्ता हैं। किसी को यह नहीं सूझता कि क्या वह व्यक्ति कैमरे में आना चाहता था? क्या उसे अपने जीवन की सबसे कमजोर अवस्था में पब्लिकली दिखाया जाना चाहिए था? आज नेकी भी एक पूंजी बन गई है। इसका बाजार भाव बन गया है। जो जितनी ज्यादा भलाई करता है (या कहें, दिखाता है), उसका सामाजिक रेटिंग उतना ही ऊंची हो जाती है। कई बार यह भलाई राजनीतिक होती है, कभी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत होती है, और कभी व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण के लिए।

ऐसे में वास्तविक करुणा कहां छिप जाती है? क्या वह अब केवल कविता में जीवित रह गई है? क्या वह अब सिर्फ कबीर और तुलसी के दोहों में ही सांस लेती है? सोचने का समय आ गया है। मदद करने वाला बड़ा है या मदद पाने वाला? यदि कोई भूखा है, तो क्या उसकी भूख की तस्वीर लेना जरूरी है?

कैलिफोर्निया में गोलीबारी के बाद तीन लोग घायल

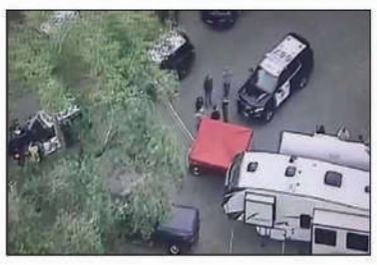

एजेंसी

लॉस एंजेल्स। अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत के ऑरिंज काउंटी के एक पार्क में दोपहर हुई गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए।ऑरिंज काउंटी शेरिफ विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि डिप्टी योरबा लिंडा के फेदरली रीजनल पार्क में गोलीबारी की रिपोर्ट पर कार्रवाई कर रहे हैं। शेरिफ विभाग ने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने लोगों से इस क्षेत्र में न जाने का आग्रह किया है।

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी उम्मीदवार आगे

बुखारेस्ट। रोमानिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण के पुनः मतदान में अलायंस फॉर द यूनियन ऑफ रोमानियंस के अध्यक्ष जॉर्ज सिमियन बढ़त में हैं।शहरी एवं क्षेत्रीय समाजशास्त्र केंद्र (सीयूआरएस) की ओर से कराए गए एग्जिट पोल के अनुसार, सिमियन को 33.1 प्रतिशत वोट मिले। उनके बाद रोमानिया फॉरवर्ड गठबंधन के क्रिन एंटोनैस्कु को 22.9 प्रतिशत और स्वतंत्र उम्मीदवार बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन को 20.9 प्रतिशत वोट मिले हैं। एवांगार्डे सोशियो-बिहेवियरल स्टडीज ग्रुप द्वारा किए गए एक अन्य एग्जिट पोल में सिमियन को 30 प्रतिशत वोट मिले, जबकि एंटोन्सक्यू और डैन दोनों को 23-23 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। रोमानिया की स्थायी चुनाव प्राधिकरण के अनुसार, इस चुनाव में 1.8 करोड़ से ज्यादा पंजीकृत मतदाता थे। रोमानिया का राष्ट्रपति पांच साल के लिए चुना जाता है और अधिकतम दो कार्यकाल तक सेवा दे सकता है। रोमानिया के संविधान के अनुसार, यदि पहले दौर में कोई उम्मीदवार पूर्ण बहुमत नहीं पाता, तो दो सप्ताह बाद शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच रनऑफ होगा। पिछले नवंबर में हुई राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया को प्रचार में गड़बड़ी और विदेशी दखल के आरोपों के चलते रद्द कर दिया गया था।

भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के 12 सैन्य अफसर ट्रेनिंग के लिए नेपाल पहुंचे, रक्षा विशेषज्ञ आश्चर्यचकित

काठमांडू। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जारी तनाव के बीच पाकिस्तान की सेना के 12 अधिकारी 12 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाली सेना ने एक बयान में कहा कि यह अधिकारी पाकिस्तान सेना के नेशनल सिक्योरिटी एंड वार कॉलेज के हैं। पाकिस्तान के नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के मातहत रहे यह अधिकारी एयर कोमोडोर साद मंसूर अंसारी के नेतृत्व में नेपाल आए हैं। नेपाली सेना के माउंटेन वारफेयर कॉलेज में इन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद नेपाल ने आतंकवाद के मसले पर भारत को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। मगर इस घटनाक्रम से उसकी घोषणा पर सवाल खड़े हुए हैं। स्थानीय नागरिक पहलगाम हमले से खफा हैं। नेपाल में लगातार पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहा है। लोग पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के फैसले से आश्चर्यचकित हैं। नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल विनोज बस्नेत ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस तरह के तनाव के बीच नेपाल द्वारा पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को बुलाना रणनीतिक रूप से सही नहीं है।

लेडी गागा के रियो कॉन्सर्ट में विस्फोट की साजिश नाकाम, दो आरोपित गिरफ्तार

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील की पुलिस ने पॉप स्टार लेडी गागा के रियो डी जेनेरियो में आयोजित ऐतिहासिक मुफ्त कॉन्सर्ट में विस्फोट करने की साजिश रचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कॉन्सर्ट शनिवार को कोपाकबाना बीच पर आयोजित किया गया था, जिसमें अनुमानित 25 लाख से अधिक प्रशंसक शामिल हुए थे। ब्राजीलियाई अधिकारियों के अनुसार, संदिग्धों को कॉन्सर्ट से कुछ घंटे पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ, जिससे कुछ लोगों ने खतरे की गंभीरता पर सवाल उठाए। आमतौर पर इस प्रकार के बड़े आयोजनों में सुरक्षा चिंताओं के चलते कार्यक्रम रद्द कर दिए जाते हैं, जैसा कि पिछले वर्ष विएना में टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट के साथ हुआ था। पुलिस ने तत्काल साजिश की जानकारी सार्वजनिक नहीं की ताकि घबराहट और अफवाहों से बचा जा सके। लेडी गागा की टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्हें इस साजिश की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स से ही मिली। बयान में कहा गया, शो से पहले और इसके दौरान सुरक्षा को लेकर कोई जानकारी या पुलिस की ओर से कोई सतर्कता नहीं दी गई थी। लेकिन टीम ने आयोजन की योजना और निष्पादन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया था।

'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' बता डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी फिल्मों पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को विदेशी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमेरिका में फिल्म उद्योग बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने अन्य देशों पर आरोप लगाया कि वे तरह-तरह के प्रोत्साहन देकर फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को अमेरिका से दूर कर रहे हैं।उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिका में उद्योग तेजी से खत्म हो रहा है। अन्य देश हमारे फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को अमेरिका से दूर करने के लिए कई तरह के प्रोत्साहन दे रहे हैं। हॉलीवुड और अमेरिका के कई अन्य क्षेत्र तबाह हो रहे हैं। यह अन्य देशों का सुनियोजित प्रयास है और इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।

उन्होंने आगे कहा, यह प्रचार और संदेश भी है। इसलिए, मैं वाणिज्य विभाग और यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव को तुरंत उन सभी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ शुरू करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दे रहा हूं, जो विदेशों में बनी हैं और हमारे देश में आ रही हैं। हम चाहते हैं कि अमेरिका में फिर से फिल्में बनाई जाएं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने हॉलीवुड में पिछले कुछ वर्षों में फिल्म निर्माण में कमी के लिए कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अन्य देश अमेरिका से फिल्में और फिल्म निर्माण की क्षमताएं चुरा रहे हैं।ट्रंप ने कहा, अगर वे संयुक्त राज्य अमेरिका के अंदर फिल्म बनाने के लिए तैयार नहीं हैं, तो हमें फिल्मों के आने पर टैरिफ लगाना चाहिए। रिपोर्ट्स के अनुसार, बजट में कटौती और बाहर अधिक आकर्षक टैक्स प्रोत्साहनों के कारण कैलिफोर्निया में फिल्म निर्माण कम हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में अमेरिकी फिल्म उद्योग को कई आर्थिक झटके लगे, जिनमें हॉलीवुड मजदूर हड़ताल और कोविड महामारी शामिल हैं। जनवरी में ट्रंप ने तीन फिल्म स्टार्स- जॉन वॉइट, मेल गिब्सन और सिल्वेस्टर स्टेलोन को हॉलीवुड में व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विशेष दूत नियुक्त किया था। ट्रंप ने कहा कि उनका काम हॉलीवुड में बिजनेस वापस लाना है, क्योंकि पिछले चार वर्षों में इस उद्योग को विदेशी फिल्मों के कारण बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने उस दौरान पोस्ट किया था, वे मेरे लिए विशेष दूत के रूप में काम करेंगे ताकि हॉलीवुड, जो पिछले चार वर्षों में विदेशी फिल्मों के कारण बहुत सारा बिजनेस खो दिया है, उसको पहले से कहीं अधिक बेहतर और मजबूत बनाया जा सके।

दक्षिण-पश्चिमी चीन में नाव पलटने से मरने वालों की संख्या नौ हुई, एक लापता

एजेंसी

गुइयांग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के गुइझोउ प्रांत के कियानक्सी शहर में दोपहर एक नाव पलटने से नौ लोगों की मौत हो गई तथा एक लापता है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि अचानक तेज़ हवाओं के कारण चार नावें पलट गईं, जिससे 84 लोग पानी में डूब गए। स्थानीय बचाव मुख्यालय के अनुसार, अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है, 70 का इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर है, जबकि चार लोग सुरक्षित हैं। अधिकारियों के अनुसार, आखिरी लापता व्यक्ति की तलाश जारी है। प्रांतीय अधिकारियों ने बचाव प्रयासों में समन्वय के लिए पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा कर्मियों सहित लगभग 500 आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तैनात किए हैं।

हूती ने इजरायल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किया मिसाइल हमला, नेतन्याहू ने जवाबी कार्रवाई की खाई कसम

एजेंसी

यरूशलम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यमन में हूती विद्रोहियों और उनके सहयोगी ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है। जवाबी कार्रवाई का फैसला हूती समूह के इजरायल स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दागे गए मिसाइल हमले के बाद लिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक अकाउंट से किए गए एक पोस्ट में दावा किया गया कि हूती के हमले ईरान की शय पर होते हैं। इसमें आगे कहा गया कि इजरायल हमारे मुख्य हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के हमले का जवाब देगा और हमारे चुने गए समय और स्थान पर, उनके ईरानी आतंकवादी आकाओं को जवाब देगा। इससे पहले नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को एक और चेतावनी जारी की, जिसमें समूह के खिलाफ हमला करने की धमकी दी गई। उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा, हमने अतीत में हमला किया, हम भविष्य में भी हमला करेंगे। हूती ने तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे के मुख्य टर्मिनल की

ओर जाने वाले ड्राइववे पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि इजरायल और अमेरिका की ओर से तैनात किए गए डिफेंस सिस्टम्स ने मिसाइल को रोकने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे। हमले के परिणामस्वरूप चार लोग मामूली रूप से घायल हुए और उन्हें नुकसान पहुंचा। मिसाइल हमले के बाद कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने इजरायल से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें एयर यूरोपा, स्विस इंटरनेशनल एयर लाइन्स, लुफ्थांसा, आईटीए एयरवेज और ब्रुसेल्स एयरलाइंस शामिल हैं। हाल के हफ्तों में हूती ने यमन स्थित अपने ठिकानों पर नए अमेरिकी हवाई हमलों के बीच मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूती ने नवंबर 2023 से इजरायल को निशाना बनाया, जिसे वे गाजा में युद्ध के दौरान फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का कार्य बताते हैं। समूह ने कहा कि अगर इजरायल अपना सैन्य अभियान समाप्त कर देता है और एन्क्लेव में मानवीय सहायता की अनुमति देता है तो वह अपने हमले रोक देगा।

ईरान ने बंदरगाह विस्फोट में मरने वालों का आंकड़ा घटाकर 57 किया, सुरक्षा चूक के लिए दो लोग हुए गिरफ्तार

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने अपने मुख्य वाणिज्यिक बंदरगाह पर पिछले महीने हुए एक बड़े विस्फोट में मरने वालों की संख्या 70 से घटाकर 57 कर दी, जबकि राज्य टेलीविजन ने विस्फोट मामले में दो गिरफ्तारियों की सूचना दी। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने होर्मोज्गान प्रांत के मुख्य न्यायाधीश मोजतबा क़हरेमानी के हवाले से कहा कि 26 अप्रैल को शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट के अद्यतन आंकड़ों में 46 शव बरामद और पहचाने गए हैं तथा 11 लोग अभी भी लापता हैं।

क़हरेमानी ने कहा कि फोरेंसिक जांच में यह पता चलने के बाद कि अलग-अलग एकत्र किए गए कुछ शरीर के अंग एक ही व्यक्ति के थे, प्रारंभिक गिनती कम कर दी गई। उन्होंने कहा कि लापता लोगों की तलाश के लिए एक विशेष कार्य समूह का गठन किया गया है।राज्य टेलीविजन ने अलग से बताया कि विस्फोट मामले में एक सरकारी अधिकारी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार

विस्फोट और उसके बाद लगी आग में 1,200 से अधिक लोग घायल हो गए तथा घटनास्थल पर खोज एवं बचाव कार्य समाप्त हो गया। अधिकारियों ने इस घटना के लिए सुरक्षा संबंधी चूक को जिम्मेदार ठहराया है। प्रांतीय संकट प्रबंधन वक्तव्य में सुरक्षा और निष्क्रिय बचाव उपायों का पालन करने में चूक का हवाला दिया गया, जबकि आंतरिक मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने पिछले सोमवार को कुछ लापरवाही का हवाला दिया था। दक्षिणी होर्मोज़गान प्रांत में स्थित शाहिद राजाई बंदरगाह, ईरान का सबसे बड़ा समुद्री केंद्र है, जो देश के अधिकांश कंटेनर यातायात और कुल व्यापार के आधे से अधिक हिस्से को संभालता है।

पहलगाम हमले के बाद नेपाल-भारत सीमा पर ड्रोन से की जा रही है निगरानी, पहचान पत्र देख कर ही प्रवेश की अनुमति

काठमांडू। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नेपाल-भारत की सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है । अवैध नागरिकों के प्रवेश को रोकने के लिए फोटो युक्त पहचान पत्र दिखाने की व्यवस्था को अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा सीमा क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। नेपाल भारत से सटे हुए सभी सीमा नाका पर सुरक्षाबलों ने चौबीस घंटे की गश्त को और तेज कर दिया है। सीमा से प्रवेश करने वाले सभी नागरिकों का पहचान पत्र देखकर ही उन्हें नेपाल की सीमा में प्रवेश करने की अनुमति दी जा रही है। नेपाल सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा इस संबंध में निर्देश दिए जाने के बाद भारत से सटी हुई सभी सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त किया गया है। नेपाल भारत के मुख्य प्रवेश द्वार के रूप में रहे बीरगंज में पहचान पत्र दिखाकर

ही भारतीय नागरिक को नेपाल में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्रा ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिकों का नेपाल में प्रवेश ना हो, इसके लिए सूक्ष्म तरीके से निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खुफिया सूचना मिली है कि भारत से अवैध बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिकों को वहां की सुरक्षा कर्मियों के द्वारा गिरफ्तार कर वापस भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू करने के बाद बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिकों के नेपाल में प्रवेश की संभावना है। बीरगंज के अलावा जनकपुर जटही सीमा, विराटनगर जोगबनी सीमा, सिलीगुड़ी पानीटंकी सीमा, भैरहवा सुनौली सीमा, नेपालगंज बेलहिया सीमा सहित अन्य छोटी सीमाओं पर भी सशस्त्र प्रहरी बल के द्वारा सूक्ष्म तरीके से निगरानी की जा रही है। दोनों देशों के बीच में खुली सीमा होने के कारण ड्रोन के जरिए भी निगरानी की जा रही है । भारत की सशस्त्र सीमा बल और नेपाल की सशस्त्र प्रहरी बल के बीच समन्वय कर खुली सीमा में ड्रोन से निगरानी की जा रही है ताकि खुली सीमा का फायदा उठाकर कोई भी अवैध बांग्लादेशी या पाकिस्तानी नागरिक नेपाल में प्रवेश न कर सके।

काठमांडू में बारिश के कारण हवाईअड्डा पर उड़ान प्रभावित, कुछ विमान भारत डाइवर्ट

एजेंसी

काठमांडू। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टी.आई.ए.) पर भारी बारिश ने आज के उड़ान कार्यक्रम को बाधित कर दिया है। कम दृश्यता (लो विजिबिलिटी) ने न केवल टीआईए बल्कि देश भर के कई अन्य हवाई अड्डों को प्रभावित किया है। टीआईए के प्रवक्ता रिनजी शेरपा के अनुसार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन आज भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है और निर्धारित समय के अनुसार आगे नहीं बढ़ सका।

सुबह, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित कई उड़ानों को मौसम की गड़बड़ी के कारण डायवर्ट किया गया है। एयर जज़ीरा के एक विमान को भारत के वाराणसी की ओर मोड़ दिया गया और बुद्ध एयर की निर्धारित माउंटेन फ्लाइट को भी डायवर्ट किया गया है। इसके अलावा, समिट एयर और तारा एयर द्वारा संचालित तीन उड़ानों को उतर यानी लैंड नहीं कर पाने के कारण वापस काठमांडू डायवर्ट किया गया। रामेछाप से लुकला के लिए उड़ान भरने वाले कई विमानों के लैंड नहीं कर पाने के कारण उन्हें फिर से रीरूट करना पड़ा। प्रतिकूल मौसम के कारण काठमांडू-तमखार्का मार्ग पर एक अन्य उड़ान को भी डायवर्ट किया गया है। काठमांडू घाटी में सुबह से ही तेज आंधी के साथ भारी बारिश हो रही है। जल और मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, नेपाल के पश्चिमी दिशा से आए बादलों के कारण जबरदस्त बारिश हो रही है। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी से आई नमी से लदी हवा से भी प्रभावित है जिसके कारण मौसम में अचानक बदलाव हुआ है।

यमन में हूतियों के साथ संघर्ष में सरकार समर्थक सैनिक मारे गये

एजेंसी

अदन, यमन। यमन के तेल समृद्ध मारिब प्रांत में सैन्य ठिकानों पर हूती हमले में सरकार समर्थक तीन सैनिकों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। ने एक सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हूती लड़ाकों ने मुख्य रूप से सरकार के नियंत्रण वाले प्रांत के दक्षिण में हरीब जिले में सेना के ठिकानों पर समन्वित हमला किया। अधिकारी ने कहा, भयंकर झड़पें हुईं और कई घंटों तक जारी रहीं, क्योंकि सरकारी सैनिकों ने व्यापक बचाव अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि घायलों को पड़ोसी शबवा प्रांत में चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया है। एक अलग बयान में, सरकार समर्थक बल, सदर्न जायंट्स ब्रिगेड ने कहा कि उसने हमले को विफल कर दिया है और भारी नुकसान पहुंचाया है, दावा किया कि लड़ाई में 12 से अधिक हूती विद्रोही मारे गए या घायल हुए हैं। देश के अन्य हिस्सों में, यमनी सरकारी बलों ने दक्षिणी लाहज प्रांत में हद्द याफ़िया मोर्चे के पास

हौथी ठिकानों पर गोलाबारी की, जिसे अधिकारियों ने हाल ही में हूती तोपखाने के हमलों का बदला बताया। लाहज में झड़पों के दो दिन बाद फिर से हिंसा हुई जिसमें दो सरकारी सैनिक मारे गए और पाँच घायल हो गए। सरकारी सूत्रों ने कहा कि उन्होंने उस टकराव में चार हौथी लड़ाकों को मार गिराया और 13 अन्य को घायल कर दिया। हूती समूह ने हाल ही में हुई झड़पों के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। यह सरकार समर्थक ताकतों के साथ अपने जुड़ाव के बारे में शायद ही कभी विवरण देता है। वर्ष 2014 में राजधानी सना पर कब्ज़ा करने वाला यह समूह एक दशक से भी ज़्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार से लड़ रहा है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि बढ़ती झड़पें उत्तरी यमन में हौथी-नियंत्रित क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के उद्देश्य से व्यापक हमले के लिए सरकार की तैयारी का संकेत दे सकती हैं। उनका सुझाव है कि इस अभियान को क्षेत्रीय सहयोगियों और संयुक्त राज्य अमेरिका से समर्थन मिल सकता है, जिसने हाल के दिनों में हौथी-नियंत्रित क्षेत्र पर हवाई हमले बढ़ा दिए हैं।

हमास ने गाजा पर इजरायली हमले में कथित रूप से घायल हुए बंधक का वीडियो किया जारी

एजेंसी

गाजा। फ़िलिस्तीन में विद्रोही संगठन हमास की सैन्य शाखा अल-क़स्साम ब्रिगेड की ओर से जारी किये गए एक नये वीडियो में एक बंधक दिखाई दे रहा है जो कथित तौर पर गाज़ा पट्टी में इजरायली हवाई हमले में घायल हुआ है। इस वीडियो में नकाबपोश हमास के लड़ाके एक सुरंग के अंदर एक परेशान दिख रहे बंधक पर चिल्लाते नजर आते हैं। बंधक ने कहा, मैं बंधक नंबर 24 हूं। संघर्षविराम खत्म होने के बाद हम पर बमबारी हुई, किसी तरह बचकर सुरंग में गए, लेकिन वहां भी फिर से बमबारी हुई।बंधक ने इजरायली सरकार की रणनीति की आलोचना करते हुए कहा, मेरी हालत गंभीर है, दवाइयों का कोई उपाय नहीं है, और चिकित्सा सहायता मिलना नामुमकिन है। मुझे नहीं पता कि मेरे साथी के साथ क्या हुआ। बंधक ने इजरायली

नागरिकों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रशासन पर दबाव डालें और बंधकों की रिहाई के लिए बंदी अदला-बदली की मांग करें इजरायल के सार्वजनिक प्रसारक कान ने बंधक की मैक्सिम हर्किन के रूप में पहचान की है, जो गाज़ा में कैद है। यह हर्किन का हमास की ओर से जारी किया गया दूसरा वीडियो है।

नेपाल पुलिस की वेबसाइट हैक, 20 लाख नागरिकों का डेटा चोरी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट हैक हो गई है। साइबर अपराधियों ने 20 लाख से अधिक नागरिकों का डेटा चोरी कर लिया है। नागरिकों की संवेदनशील डेटा चोरी होने से सरकार की चिंता बढ़ गई है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, केएजेडयू नाम के हैकर समूह ने उनकी आधिकारिक वेबसाइट को हैक कर लिया है। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि सर्वर में मौजूद 20 लाख नागरिकों का डेटा चुरा लिया गया है। हैकरों यह डेटा डार्क वेब में रखा है।

नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता डीआईजी दिनेश आचार्य ने बताया कि डार्क वेब में रखे गए नेपाल के संवेदनशील डेटा की कीमत हैकरों ने सात हजार अमेरिकी डॉलर रखी है डार्क वेब पोस्ट में हैकर समूह ने लिखा है कि नेपाल पुलिस के केन्द्रीय डेटा पोर्टल को निशाना बनाया गया है। इस डेटा में एफआईआर, ट्रैकिंग, नागरिकता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट डिटेल्स, पर्सनल आइडेंटीफिकेशन इनफॉर्मेशन, आफिसर डिटेल्स आदि मौजूद है। यह भी दावा किया गया है कि ये सभी डेटा 2025 का है।

रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान, राजनीतिक संकट के बीच लोकतंत्र की परीक्षा

एजेंसी

बुखारेस्ट। रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान संपन्न हुआ, जो देश के हाल के दशकों के सबसे बड़े राजनीतिक संकट के बाद कराया गया। यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य देश रोमानिया में यह चुनाव उस समय दोबारा कराया गया जब पिछले वर्ष हुए चुनाव को अदालत ने चुनावी गड़बड़ियों और रूस की कथित दखलंदाजी के चलते अमान्य घोषित कर दिया था। हालांकि, रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे मतदान समाप्त होने के साथ ही मतगणना का कार्य शुरू हो गया। प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक लगभग 95.7 लाख मतदाताओं, यानी कुल योग्य मतदाताओं के 53.2 प्रतिशत, ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विदेशों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर भी लगभग 9.73 लाख मत डाले गए। इस पुनर्निर्वाचन में कुल 11 उम्मीदवारों ने भाग लिया और अब 18 मई को होने वाले संभावित दूसरे दौर की तैयारी शुरू हो गई है।

जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कट्टर राष्ट्रवादी और दूर-दराज़ विचारधारा वाले उम्मीदवार जॉर्ज सिमियन का दूसरे दौर में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि उनका मुकाबला या तो बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन या सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार क्रिन एंटोनेसकु से हो सकता है। चुनाव के दौरान सिमियन ने पूर्व उम्मीदवार कैलिन जॉर्जेस्कु के साथ राजधानी बुखारेस्ट के एक मतदान केंद्र पर उपस्थित होकर कहा, ÷हमारा मिशन स्पष्ट है- संवैधानिक व्यवस्था की वापसी और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना। मेरा एकमात्र लक्ष्य है कि रोमानियाई जनता के लिए पहला स्थान सुनिश्चित किया जाए। वहीं, चुनाव से बाहर किए गए कैलिन जॉर्जेस्कु ने इस पुनः चुनाव को एक संगठित धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि यह उन लोगों द्वारा रचा गया है जो धोखे को राज्य की नीति बना चुके हैं। बावजूद इसके उन्होंने लोकतंत्र की ताकत और मत की शक्ति को स्वीकार करने की बात भी कही।

पुतिन ने जताई उम्मीद, यूक्रेन में परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं पड़ेगी

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि अब तक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आवश्यकता नहीं पड़ी है और वह आशा करते हैं कि भविष्य में भी इसकी जरूरत नहीं होगी। यह बयान रूसी राज्य टेलीविजन द्वारा प्रसारित एक वृत्तचित्र में सामने आया, जिसमें पुतिन के सत्ता में 25 वर्षों की यात्रा को दर्शाया गया है। पुतिन ने कहा, हमारे पास 2022 में शुरू किए गए विशेष सैन्य अभियान को रूस के अनुकूल परिणाम तक पहुंचाने की पर्याप्त ताकत और संसाधन हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि परमाणु हथियारों की आवश्यकता नहीं पड़ी है... और मेरी आशा है कि आगे भी नहीं पड़ेगी। इस बयान के साथ पुतिन ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को विशेष सैन्य अभियान करार दिया, न कि पूर्ण पैमाने पर युद्ध। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2014 में जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा किया था।

लिट्टन दास की अगुवाई में बंगलादेश की टीम यूएई और पाकिस्तान का करेगी दौरा

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने यूएई और पाकिस्तान के आगामी दौरों के लिए लिट्टन दास की अगुवाई में वाली 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है।लिटन दास को सभी प्रारूपों में कप्तान के अनुभव को देखते हुए बंगलादेश की टी-20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। साथ ही ऑफ स्पिनर महेदी हसन को उप कप्तान बनाया गया है। दास को अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए भी टीम नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान अस्थाई कप्तान के रूप में बंगलादेश की टीम को विदेशी धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने में मदद की। उन्होंने अब तक एक टेस्ट, सात एकदिवसीय और चार टी-20 में बंगलादेश की कप्तानी की है। बंगलादेश क्रिकेट के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन ने कहा कि लिटन दास अगले साल टी-20 विश्वकप तक टीम की कप्तानी करेंगे। लिटन के लिए अनुभव एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। दास टेस्ट और एकदिवसीय कप्तानी के लिए दावेदार हैं, लेकिन इन पदों पर निर्णय कुछ समय के लिए नहीं लिया जाएगा।

मांडविया ने शिक्षकों के साथ चलाई साइकिल

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अगुवाई में सुबह आयोजित फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के नवीनतम संस्करण में शिक्षकों, एथलीटों, फिट इंडिया प्रभावितों और फिटनेस प्रेमियों सहित 750 प्रतिभागियों ने भाग लिया।आज यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में अयोजित 'शिक्षकों के साथ साइकिल चलाना' विषय पर लेकर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मांडविया ने कहा कि शिक्षक हमारे छात्रों के नायक हैं और अब आपको विकसित भारत के नायक बनना है। आप सभी साइकिल चलाना एक फैशन बना सकते हैं और मैं सभी शिक्षकों से आग्रह करता हूं कि वे स्वयं साइकिल का उपयोग फिर से शुरू करें और छात्रों से भी इसका अनुकरण करने को कहें। हम डिजिटल युग में हैं लेकिन हमें अपनी शारीरिक फिटनेस में भी सुधार करने की जरूरत है। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई), माई भारत और राज्य सरकारों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया, ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दीपक पुनिया, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक रोहताश चौधरी (भारत के पुश-अप मैन) और प्रसिद्ध पर्वतारोही नरेंद्र कुमार के साथ राष्ट्रीय स्तर की कई हस्तियों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों सहित शहर भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक, सलाहकार और अकादमिक प्रशिक्षक ने साइकिल चलाई।

सात साल में पहली बार श्रीलंका महिला टीम ने भारत को हराया

कोलंबो। चामरी अट्टापटू और सुगंधिका कुमारी (तीन-तीन विकेट) के अच्छे प्रदर्शन के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (53) और नीलाक्षी डिसिल्वा (56) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका महिला टीम ने त्रिकोणीय श्रृंखला के चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को पांच गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। सात सालों में श्रीलंका की भारत पर यह पहली एकदिवसीय जीत है। 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 30 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (22) रनआउट के रूप में गवां दिया। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने विष्मी गुणारत्ने (33) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद 27वें ओवर में प्रतिका रावल ने हर्षिता समाराविक्रमा (53) को आउटकर भारत को चौथी सफलता दिलाई। कप्तान चामरी अट्टापटू (23), कविशा दिलहारी (35) और देवमी विहंगा (एक) रन बनाकर आउट हुई। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 33 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (56) रनों की पारी खेली। आखिरी ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर मैच को रोमांचक बना दिया था। अनुष्का संजीवनी (23) और सुगंधिका कुमारी (19) रन बनाकर नाबाद रहीं। श्रीलंका ने 49.1 ओवर में सात विकेट पर 278 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

श्रीपर्णा डे ने जिमनास्टिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते चार स्वर्ण पदक

अगरतला। त्रिपुरा की जिमनास्ट श्रीपर्णा डे ने कलात्मक जिमनास्टिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य के लिए चार प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीते। पुणे में आयोजित चैंपियनशिप में श्रीपर्णा ने 42.40 अंकों के शानदार समग्र स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। वॉल्टिंग टेबल (11.55), अनइवन बार्स (8.30), बैलेंसिंग बीम (11.35) और फ्लोर एक्सरसाइज (11.20) में कुशलता और संयम का परिचय दिया। श्रीपर्णा ने तीन श्रेणियों- वॉल्टिंग टेबल, बैलेंसिंग बीम और फ्लोर एक्सरसाइज में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अतिरिक्त स्वर्ण पदक हासिल किए। लगभग दोषरहित निष्पादन के साथ श्रीपर्णा ने वॉल्टिंग टेबल में 11.800, बैलेंसिंग बीम में 11.033 और फ्लोर एक्सरसाइज में 10.300 स्कोर किया। हालाँकि असमान बार्स में पदक उसके हाथ से निकल गया, लेकिन चैंपियनशिप में उसके कुल स्वर्ण पदकों की संख्या बढ़कर चार हो गई।

पंजाब किंग्स की जीत पर कोच पोंटिंग ने कहा-धर्मशाला का माहौल शानदार, घरेलू मैच जीतते रहना जरूरी

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अपने होम लेग की शुरुआत पंजाब किंग्स ने जोरदार अंदाज़ में की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने प्रभसिमरन की तारीफ करते हुए कहा, वो पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल रहा है। मैंने आज दोनों ओपनर्स (प्रियांशु और प्रभसिमरन) को चुनौती दी थी कि कोई एक शतक बनाए। दुर्भाग्य से प्रभसिमरन थोड़े रन से चूक गए, लेकिन उनका इरादा साफ था। वह इस टीम को सफल बनाना चाहता है और आज उसकी झलक भी मिली।

जॉश इंग्लिस को ऊपर भेजने की रणनीति पर बोले पोंटिंग

कोच ने बताया कि जॉश इंग्लिस को नंबर 3 पर भेजना कप्तान श्रेयस अय्यर की सोच थी। उन्होंने कहा, हमें लगा था कि लखनऊ की ओर से मयंक यादव शुरुआत में गेंदबाज़ी करेंगे और वह आमतौर पर शॉर्ट गेंद फेंकते हैं। ऐसे में इंग्लिस को ऊपर भेजना सही रहेगा क्योंकि पुल शॉट उनकी ताकत है, जैसा कि आज उन्होंने दिखाया।

अर्शदीप को बताया टीम की ताकत

पोंटिंग ने अर्शदीप की गेंदबाज़ी की भी सराहना की और कहा, अर्शदीप हर मैच के साथ बेहतर होता जा रहा है। वह अब नई गेंद से पावरप्ले में विकेट लेने लगा है, जो हमें उसकी क्षमता पर पहले से भरोसा था। आज का उनका पहला ओवर ही मैच की लय तय कर गया। वह एक स्टार गेंदबाज़ है और हमारे लिए बेहद अहम खिलाड़ी है।

धर्मशाला की भीड़ से हुए प्रभावित

धर्मशाला की भीड़ और माहौल की तारीफ करते हुए पोंटिंग ने कहा, आज का माहौल कमाल का था। यह स्टेडियम बेहद खूबसूरत है और हम चाहते हैं कि हमारे सभी घरेलू मैचों में जीत हासिल करें। हमारा अगला मुकाबला दिल्ली के खिलाफ इसी मैदान पर है और हमें उम्मीद है कि वहां भी शानदार समर्थन मिलेगा और खिलाड़ी फिर वही प्रदर्शन दोहराएंगे। पंजाब किंग्स अब 8 मई को धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। टीम का लक्ष्य घरेलू मैदान पर लगातार जीत दर्ज कर विपक्षी टीमों पर दबाव बनाना है।

भारत में खेलों में एआई क्रांति का मार्ग प्रशस्त कर रहे फैंटेसी स्पोर्ट्सः प्रो. विशाल मिश्रा का श्वेत पत्र जारी

एजेंसी

मुंबई। भारत को वैश्विक एआई हब बनाने के दृष्टिकोण के तहत कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और एफआईएफएस स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन के विशेषज्ञ सलाहकार प्रो. विशाल मिश्रा ने खेलों में भारत की एआई क्रांति के लिए उत्प्रेरक के रूप में फैंटेसी स्पोर्ट्स शीर्षक से एक श्वेत पत्र जारी किया। यह विमोचन मुंबई में आयोजित वेव्स 2025 (विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन) के तहत किया गया। यह श्वेत पत्र एफआईएफएस (फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स), गूगल क्लाउड और ड्रीम11 की साझेदारी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की खेल एआई चुनौती स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारत की तकनीकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए, एआई/एमएल मॉडल के माध्यम से वास्तविक खेल समस्याओं के समाधान विकसित करना था। प्रो. मिश्रा के अनुसार, फैंटेसी स्पोर्ट्स केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि वे डेटा-संचालित नवाचार का प्रवेशद्वार हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म न केवल प्रशंसकों को जोड़ता है, बल्कि एथलीट के प्रदर्शन, रणनीति और निर्णय लेने में भी क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं।÷ उन्होंने यह भी बताया कि इस पहल ने इंडिया एआई के कौशल विकास और एप्लिकेशन निर्माण लक्ष्यों को मजबूती से आगे बढ़ाया है। -फैंटेसी स्पोर्ट्स को एक व्यापक एआई प्रयोगशाला और नवाचार मंच के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता है। -स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन को कौशल निर्माण और वास्तविक समय मॉडल तैनाती के लिए एक स्केलेबल मॉडल के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

प्रीमियर लीग 2024-25 : चेल्सी ने गत चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराया

एजेंसी

लंदन। प्रीमियर लीग 2024-25 के एक अहम मुकाबले में चेल्सी ने चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराकर चैंपियंस लीग क्वालिफिकेशन की अपनी उम्मीदों को ज़िंदा रखा। चेल्सी के लिए एनजो फर्नांडीज, कोल पाल्मर और एक आत्मघाती गोल स्कोरिंग में शामिल रहे।

शुरुआत से ही हावी रही चेल्सी

मैच की शुरुआत से ही चेल्सी ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। कोल पाल्मर के पास पर नेटो ने गेंद एनजो फर्नांडीज को दी, जिन्होंने गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

क्रांसाह का आत्मघाती गोल और पाल्मर की वापसी

दूसरा गोल भी पाल्मर की चालाकी से आया, जब उनकी एक क्रॉस को क्लीयर करने की कोशिश में लिवरपूल डिफेंडर जारेल क्वांसाह ने अपने ही गोल में बॉल डाल दी। मैच के अंतिम पलों में पाल्मर ने पेनल्टी के जरिए अपना पहला गोल जनवरी के बाद किया। यह पेनल्टी क्वांसाह द्वारा मोइसेस कैइसेडो को गिराने के बाद मिली।

वैन डाइक ने की कोशिश, लेकिन देर हो चुकी थी

84वें मिनट में वर्जिल वैन डाइक ने कॉर्नर पर गोल कर लिवरपूल को एकमात्र संजीवनी दी, लेकिन टीम इस बढ़त को पाट नहीं सकी।- **चेल्सी पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान परः** एंजो मारेस्का की कोचिंग में चेल्सी अब 63 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और चौथे स्थान पर मौजूद न्यूकैसल से केवल गोलों के आधार पर पीछे है। दोनों टीमें तीसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं, जबकि तीन मुकाबले शेष हैं।

मेड्रिड ओपन 2025: कैस्पर रूड ने जैक ड्रेपर को हराकर जीता पहला मास्टर्स खिताब

एजेंसी

मैड्रिड। नॉर्वे के टेनिस स्टार कैस्पर रूड ने रात को मेड्रिड ओपन 2025 का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। 14वीं वरीयता प्राप्त रूड ने खिताबी मुकाबले में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से मात दी। यह रूड का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। 26 वर्षीय रूड ने इस खिताब को अपने 18वें क्लेकोर्ट फाइनल में हासिल किया।

चोट के बावजूद दिखाया जज्बा, दिग्गजों को दी मात

रूड ने सेमीफाइनल में पसली में चोट लगने के बावजूद दमदार प्रदर्शन किया और ड्रेपर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने टेलर फ्रिट्ज, दानिल मेदवेदेव और फ्रांसिस्को सेरुंडोलो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हराया था।

ड्रेपर से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी

पहले सेट में रूड 3-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दो बार ड्रेपर की सर्विस तोड़कर सेट 7-5 से अपने नाम किया। हालांकि ड्रेपर ने दूसरा सेट 3-6 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में रूड ने 3-2 की बढ़त बनाते हुए अंत में 6-4 से सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

ड्रेपर बने वर्ल्ड नंबर 5, रूड को दी बधाई

हालांकि जैक ड्रेपर को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अब आज जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च रैंकिंग यानी विश्व नंबर 5 पर पहुंच जाएंगे। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, कैस्पर, तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। तुमने मुश्किल पलों में मुझसे ज्यादा हिम्मत दिखाई। यह खिताब तुम्हारे मेहनत का फल है।

एफ1 मियामी जीपी 2025: पियास्त्री ने लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

मियामी। ऑस्कर पियास्त्री ने मियामी ग्रां प्री जीतकर न केवल अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की, बल्कि मैकलॉरिन टीम को भी एक और यादगार वन-टू फिनिश दिलाया। चौथे स्थान से रेस शुरू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई ड्राइवर ने शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए जीत दर्ज की और अब वह चैंपियनशिप में टीममेट लैंडो नॉरिस से 16 अंकों से आगे हैं। दो साल पहले मियामी में सबसे धीमी टीम कही जाने वाली मैकलॉरिन ने अब वही रेस 35 सेकंड से ज्यादा के अंतर से जीत ली।

पियास्त्री ने जीत के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है कि हम वहीं हैं जहां पहले हम लैप डाउन होते थे।

वेरस्टैपेन की पोल से जीत न होने की परंपरा बरकरार

रेड बुल के मौजूदा चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन पोल पोजिशन से रेस शुरू करने के बावजूद चौथे स्थान पर रहे। मैकलॉरिन के दोनों ड्राइवरों ने उन्हें ओवरटेक किया और मियामी में पोल पोजिशन से जीत नहीं होने की परंपरा को कायम रखा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन वह भी विजेता से 37.644 सेकंड पीछे रहे। विलियम्स के एलेक्स एल्बोन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मर्सिडीज के किमी एंटोनेली और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर व लुईस हैमिल्टन क्रमशः छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे।

रेस की शुरुआत में ही नॉरिस और वेरस्टैपेन की भिड़ंत

रेस की पहली लैप में ही रोमांच देखने को मिला जब लैंडो नॉरिस और मैक्स वेरस्टैपेन के बीच टर्न-2 पर टक्कर हुई, जिससे नॉरिस को ट्रैक से बाहर जाना पड़ा और तीन स्थानों का नुकसान हुआ। हालांकि, स्टीवर्ड्स ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। नॉरिस ने कहा, अगर मैं आगे नहीं जाता तो लोग शिकायत करते, और अगर जाता हूं तो भी शिकायत होती है। मैक्स के साथ तो या टक्कर होगी या ओवरटेक नहीं हो पाएगा।

फ्लॉलेस ड्राइव से पियास्त्री ने रचा इतिहास

पियास्त्री ने एंटोनेली को लैप-4 में ओवरटेक किया और फिर वेरस्टैपेन को भी पीछे छोड़ा। नॉरिस ने भी शानदार वापसी करते हुए लैप-17 तक वेरस्टैपेन को पार किया और दूसरे स्थान पर आए। रेस के दौरान तीन बार वर्चुअल सेफ्टी कार आई, जिसमें अल्पाइन, हास और सोबर की गाड़ियों ने रेस छोड़ी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच में 1-0 से दर्ज की जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की ओर से एक मात्र गोल नवनीत कौर (21वें मिनट) ने किया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने सीरीज का अंत मजबूती से किया। मैच के पहले क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने दबदबा बनाया और दो पेनल्टी कॉर्नर जीते लेकिन भारतीय टीम के मजबूत डिफेंस ने उन्हें गोल करने से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर के छह मिनट बाद भारतीय टीम ने उप कप्तान नवनीत कौर के फील्ड गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल करने के लिए बेताब थीं, लेकिन भारतीय टीम ने संयम बनाए रखा और अपनी बढ़त का सफलतापूर्वक बचाव किया। अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया को एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, उन्होंने बराबरी करने का मौका गंवा दिया और अंत में भारतीय टीम ने 1-0 से जीत दर्ज की। दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो हार और सीनियर टीम के खिलाफ दो हार के बाद भारतीय टीम ने अंतिम मैच में मेजबान टीम के खिलाफ जीत दर्ज की। इस तरह भारतीय टीम ने जीत के साथ सीरीज का अंत किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता रिकॉर्ड 34वां बुंडेसलीगा खिताब, लेवरकुसेन की ड्रॉ से तय हुई जीत

एजेंसी

बर्लिन। जर्मन फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने बिना कोई मैच खेले ही अपना 34वां बुंडेसलीगा खिताब जीत लिया। यह उनकी लगातार 12वीं और कुल मिलाकर रिकॉर्ड 34वीं बार जर्मन लीग खिताब पर कब्जा है। खिताब की यह स्थिति तब बनी जब उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बायर लेवरकुसेन फ्राइबर्ग के खिलाफ 2-2 की बराबरी पर रुक गई। बायर्न म्यूनिख ने आरबी लाइपजिग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला था, जिससे लेवरकुसेन को खिताबी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जीत दर्ज करनी जरूरी थी। लेकिन फ्राइबर्ग ने शानदार खेल दिखाते हुए उन्हें रोक दिया।

फ्राइबर्ग ने पहले ही हाफ में बना ली बढ़त

फ्राइबर्ग ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत की। 44वें मिनट में मैक्सिमिलियन एग्गेस्टीन के डिफ्लेक्टेड शॉट से टीम ने पहला गोल किया। दूसरे हाफ के चौथे मिनट में लेवरकुसेन के डिफेंडर पिएरो हिंकापी ने आत्मघाती गोल कर फ्राइबर्ग को 2-0 की बढ़त दिला दी।

देर से आया लेवरकुसेन का जवाब, लेकिन नहीं बचा सका खिताब

लेवरकुसेन ने मैच के अंतिम मिनटों में वापसी की कोशिश की। 82वें मिनट में फ्लोरियन विट्ज ने शानदार गोल किया और फिर स्टॉपेज टाइम में जोनाथन ताह ने बराबरी दिलाई। लेकिन तीसरा गोल नहीं कर पाने के कारण वे जीत से चूक गए।

बायर्न के नाम अब 34 बुंडेसलीगा खिताब

इस ड्रॉ के बाद लेवरकुसेन 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रह गई, जबकि बायर्न म्यूनिख 76 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

दो मुकाबले शेष होने के बावजूद कोई टीम अब बायर्न को नहीं पछाड़ सकती, और इसी के साथ बायर्न ने 1963 में बुंडेसलीगा की शुरुआत के बाद से अपना रिकॉर्ड 34वां खिताब जीत लिया।

भोपाल की ग्रैपलिंग टीम ने जीते 30 पदक

भोपाल। राजधानी भोपाल की टीम ग्रैपलिंग ने राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में धुआंदार प्रदर्शन दिखते हुए 30 पदक जीतकर तीसरी चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर ली है. इस प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर में एमेच्योर ग्रैपलिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश एवं इंदौर जिला ग्रैपलिंग एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से किया गया, जिसमे देश भर के 150 से ज्यादा खिलाडी हिस्सा लेने पहुंचे थे. भोपाल की टीम के खिलाडियों ने 8 स्वर्ण, 17 रजत, और 5 कस्य पदक हासिल किये इस प्रतियोगिता के समापन में मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष, एवं मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी और विक्रम पुरस्कार विजेता ओमप्रकाश खत्री उपास्थि रहे. भोपाल टीम के कोच निखिल यादव ने टीम के प्रदर्शन पर प्रसन्नता और गौरव व्यक्त किया।

आईपीएल 2025: पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को 37 रनों से हराया

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 54वें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को हाई स्कोरिंग मुकाबले में 37 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसके पास 11 मैचों में 15 अंक हैं।पंजाब की ओर से मिले 237 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पारी के तीसरे ओवर में ही मिचेश मार्श बिना खाता खोले आउट हो गए। फिर इसी ओवर की पांचवी गेंद पर दूसरे ओपनर एडन मार्करम भी 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टीम को हर थोड़े अंतराल पर झटका लगाता रहा। निकोलस पूरन ने 6 रन, कप्तान ऋषभ पंत 18 रन, डेविड मिलर 11 बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि टीम के लिए थोड़ा संघर्ष आयुष बडोनी और अब्दुल समद ने किया। जिन्होंने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। अब्दुल समद 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद

बडोनी ने आवेश खान के साथ 34 रन की एक छोटी पार्टनरशिप की लेकिन वह नाकाफी रही। लखनऊ की टीम 20 ओवर में 199 रन ही बना सकी। बडोनी ने 74 रन की पारी खेली, जबकि आवेश खान 19 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन और अजमतुल्लाह ओमरजाई ने दो विकेट चटकाए। जबकि मार्को यानसेन और यजुवेंद्र चहल को एक-एक सफलता मिली।इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 236 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 91 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने जोश इंग्लिश (30 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (45 रन) का भरपूर साथ मिला। वहीं, आखिर में शशांक सिंह ने 15 गेंदों में 33 रन और मार्कस स्टॉयनिश ने 5 गेंदों में 15 रन जड़कर टीम के स्कोर को 236 तक पहुंचा दिया।।लखनऊ के लिए आकाश सिंह और दिग्वेश राठी को दो-दो सफलता मिली। जबकि प्रिंस यादव के खाते में एक विकेट आया।

आईपीएल 2025 : रोमांचक मुकाबले में केकेआर ने आरआर को एक रन से हराया

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 53वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में केकेआर ने आरआर को मात्र एक रन से हरा दिया। कोलकाता के इडेन गार्डेंस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 206 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 205 रन ही बना सकी और एक रन से मुकाबला हार गई। इस मुकाबले में जीत के साथ कोलकाता की टीम 11 मैचों में 5 में जीत और 5 हार के साथ अंक तालिका में छठे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं राजस्थान की टीम 12 मैचों में तीन में जीत और नौ में हार के साथ 8वें नंबर पर मौजूद है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल को पहले ही ओवर में वैभव सूर्यवंशी के रुप में बड़ा झटका लगा। वैभव इस मैच में जल्दी आउट हो गए और मात्र 4 रन बना सके। अगले ओवर में कुणाल सिंह राठौर बिना खाता खोले आउट हो गए। दो विकेट जल्दी गंवाने के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रियान पराग ने अच्छी साझेदारी की और छह ओवर की समाप्ति तक टीम के स्कोर को 50 रन के पार पहुंचा दिया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 50 रन से ज्यादा की साझेदारी हो गई थी, इस बीच यशस्वी बड़ा शॉट मारने की कोशिश में कैच आउट हो गए। यशस्वी ने 21 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए। फिर आठवें ओवर में राजस्थान को दो झटके लगे। पहले ध्रुव जुरेल और फिर वानिंदु हसरंगा बिना खाता खोले आउट हो गए। आधी टीम के पवेलियन लौटने के बाद रियान पराग ने शिमरॉन हेटमायर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। पराग ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की और हेटमायर के साथ शानदार साझेदारी कर टीम का स्कोर 15 ओवर में 150 के पार पहुंचा दिया। यह साझेदारी हेटमायर का विकेट गिरने के साथ टूटी। हेटमायर 23 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। बाद में पराग भी बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच आउट हो गए। पराग ने 45 गेंदों पर 6 चौके और 8 छक्कों की मदद से 95 रन की शानदार पारी खेली। आखिरी में शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर ने टीम को जीताने की भरपूर कोशिश की, लेकिन जीत से मात्र एक रन दूर रह गए। जोफ्रा ने आठ गेंदों पर 12 रन बनाए। शुभम 14 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर की तरफ से वरुण चक्रवर्ती, मोईन अली, हर्षित राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि वैभव अरोड़ा को एक विकेट मिला। इससे पहले कोलकाता की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 206 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और 13 रन के स्कोर पहला विकेट गिर गया। सुनील नरेन 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान अंजिक्य रहाणे और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पारी को आगे बढ़ाया।

शुभमन नहीं, इस एक्टर को डेट कर रहीं

सारा तेंदुलकर

अमिताभ बच्चन की नातिन से कनेक्शन!

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में रहती हैं. कभी बॉलीवुड वाले दोस्तों के साथ पार्टी, तो कभी क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ डेटिंग और ब्रेक्रअप की खबरें. हालांकि, सारा तेंदुलकर किसी भी खबर पर कभी रिएक्शन नहीं देतीं. कुछ वक्त पहले खबर आई कि शुभमन गिल से उनका ब्रेकअप हो गया है. वहीं इसकी वजह टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर को बताया गया. लेकिन एक्ट्रेस तो पहले से ही किसी और को डेट कर रही हैं. खैर, इसी बीच सारा की जिंदगी में नए शख्स की एंट्री हो गई है.जिस बॉलीवुड एक्टर से सारा तेंदुलकर का नाम जुड़ रहा है, वो और कोई नहीं, 'गली बॉय' के एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धांत चतुर्वेदी और सारा तेंदुलकर इस वक्त एक दूसरे के साथ वक्त बिता रहे हैं. साथ ही दोनों को एक दूसरे के करीब आते हुए भी देखा गया है.

क्या सिद्धांत को डेट कर रहीं सारा ?

हाल ही में फिल्मफेयर पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, सारा और सिद्धांत चतुर्वेदी की दोस्ती फिलहाल शुरुआती स्टेज पर है. हालांकि, दोनों ही नहीं चाहते की उनके रिश्ते के बारे में किसी को भी कुछ पता लगे. यूं तो सिद्धांत चतुर्वेदी

पहले भी अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रह चुके हैं. उनका नाम अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा से जुड़ा था. सिद्धांत उनकी तस्वीरों पर कमेंट भी करते थे. लेकिन फिर एक दिन अचानक एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया. हालांकि, दोनों साथ वक्त बिताते हुए भी दिख चुके हैं.सिद्धांत चतुर्वेदी अपने करियर में 5 फिल्मों में काम कर चुके हैं. हालांकि, उन्हें असली फेम दीपिका पादुकोण की पिक्चर 'गहराइयां' से मिला था. दोनों के बीच काफी रोमांटिक सीन्स थे. हालांकि, बात सारा तेंदुलकर की हो तो उनका नाम भी क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ सालों से जुड़ रहा है. दोनों साथ दिख चुके हैं, यहां तक कि शुभमन ने सारा से दोस्ती की बात को कंफर्म भी किया था. लेकिन कुछ दिनों पहले अलग होने की खबर आई.

इंस्टाग्राम पर नहीं करते फॉलो

दरअसल रिपोर्ट्स में सिद्धांत चतुर्वेदी और सारा तेंदुलकर की डेटिंग की अफवाहें हैं. लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है कितनी नहीं, हम नहीं जानते. पर सोशल मीडिया की बात की जाए तो दोनों इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को फॉलो नहीं करते हैं. हालांकि, सारा तेंदुलकर के कई फिल्म इंडस्ट्री में दोस्त हैं, जिनके साथ पार्टी करती नजर आ चुकी हैं. ओरी के साथ भी वो दिखाई दी हैं. सिद्धांत चतुर्वेदी भी लंबे वक्त से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन इस साल उनकी एक पिक्चर आने वाली है.

हमें तुलना की जरूरत नहीं...रणवीर सिंह या रणबीर कपूर में बेहतर कौन? दीपिका पादुकोण ने दिया था ये जवाब

हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की एक्टिंग बेहद कमाल की है और इसमें किसी को कोई शक नहीं है. लेकिन दीपिका सिर्फ अपने अभिनय को लेकर ही लोगों के बीच चर्चाओं में नहीं रही हैं, बल्कि उन्होंने अपने अफेयर्स से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं.दीपिका पादुकोण ने साल 2018 में रणवीर सिंह से शादी की थी. हालांकि इससे पहले वो रणबीर कपूर के साथ रिश्ते में थीं. रणबीर और दीपिका का अफेयर काफी सुर्खियों में रहा था. लेकिन ब्रेकअप के बाद दीपिका की लाइफ में रणवीर आए और फिर दोनों ने शादी भी कर ली. लेकिन ब्रेकअप के बावजूद दीपिका को रणबीर कपूर के साथ देखा गया है. वहीं एक बार तो दीपिका से ये तक पूछ लिया गया था कि रणवीर और रणबीर दोनों में से बेहतर एक्टर कौन हैं ? आइए जानते हैं तब दीपिका ने क्या जवाब दिया था.

दीपिका से सवाल- रणवीर और रणबीर में से बेहतर एक्टर कौन ?

बात उन दिनों की है जब रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण अपनी साल 2015 में आई फिल्म 'तमाशा' का प्रमोशन कर रहे थे. ये वो दौर था जब दीपिका का रणबीर से ब्रेकअप हो चुका था और वो रणवीर सिंह को डेट कर रही थीं. तमाशा के प्रमोशन के दौरान उनसे सवाल किया गया था रणबीर कपूर और रणवीर सिंह में से वो किसे बेहतर एक्टर मानती हैं ?

दीपिका ने दिया था ऐसा जवाब

दीपिका ने इस सवाल का बेहद समझदारी के साथ जवाब दिया था. उन्होंने किसी भी एक्टर का नाम नहीं लिया था. लेकिन दोनों को ही कम नहीं आंका और न किसी को ज्यादा तवज्जो दी. उन्होंने दोनों को अपनी-अपनी जगह बेहतर कहा था. एक्ट्रेस ने कहा था, यह ऐसा है जैसे आप कह रहे हों कि आपको अपनी मां पसंद है या अपने पिता ?

रणबीर ने कहा- मैं पिता बनना चाहता हूं

दीपिका के इस जवाब के बाद दर्शकों की भीड़ में से किसी ने कहा था मां कौन होगी ? इस पर तुरंत ही मजाकिया अंदाज में रणबीर ने कहा था, मैं पिता बनना चाहता हूं.वहीं दीपिका ने आगे कहा था, मुझे ऐसा लगता है कि हम हर समय लगातार तुलना करते रहते हैंज्चाहे वो फिल्में हों, अभिनेता हों, को-स्टार हो. हमें हर समय तुलना करते रहने की जरूरत नहीं है.

करिश्मा कपूर या रवीना टंडन? अजय देवगन की दोनों एक्स में किसके पास है सबसे ज्यादा पैसा?

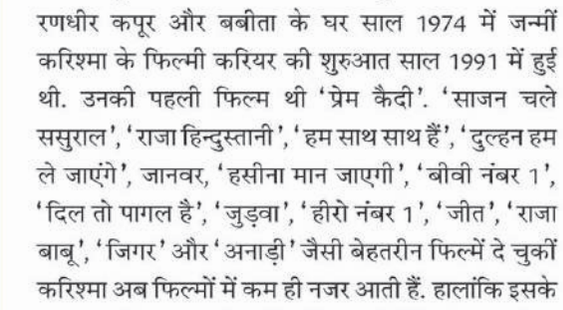

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर अजय देवगन और काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं. अजय ने काजोल से साल 1999 में शादी की थी. दोनों का रिश्ता करीब पांच साल के अफेयर के बाद शादी के मंडप तक पहुंचा था. हालांकि काजोल के प्यार में पड़ने से पहले अजय बॉलीवुड की दो दिग्गज हसीनाओं रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के प्यार में पागल थे.अजय देवगन का अफेयर कभी रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के साथ भी था. उन्होंने दोनों के साथ अफेयर से खूब सुर्खियां बटोरी थीं. लेकिन दोनों एक्ट्रेस के साथ उनका रिश्ता लंबा नहीं टिक पाया. आज हम आपको अजय की इन दोनों एक्स की नेटवर्थ के बारे में बता रहे हैं. आइए जानते हैं कि दोनों में से आखिर कौन सी एक्ट्रेस ज्यादा अमीर हैं ?

करिश्मा कपूर की नेट वर्थ

कपूर खानदान की बेटी करिश्मा कपूर ने सिर्फ 17 साल की उम्र में बॉलीवुड में अभिनय करियर की शुरुआत कर दी थी. रणधीर कपूर और बबीता के घर साल 1974 में जन्मीं करिश्मा के फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1991 में हुई थी. उनकी पहली फिल्म थी 'प्रेम कैदी'. 'साजन चले ससुराल', 'राजा हिन्दुस्तानी', 'हम साथ साथ हैं', 'दुल्हन हम ले जाएंगे', जानवर, 'हसीना मान जाएगी', 'बीवी नंबर 1', 'दिल तो पागल है', 'जुड़वा', 'हीरो नंबर 1', 'जीत', 'राजा बाबू', 'जिगर' और 'अनाड़ी' जैसी बेहतरीन फिल्में दे चुकीं करिश्मा अब फिल्मों में कम ही नजर आती हैं. हालांकि इसके बावजूद वो काफी रईस हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा की नेटवर्थ 87 करोड़ रुपये है.

रवीना टंडन की नेट वर्थ

बात अब रवीना की नेटवर्थ की कर लेते हैं. इससे पहले आपको बता दें कि करिश्मा की तरह ही रवीना के फिल्मी करियर की शुरुआत भी साल 1991 में ही हुई थी. उन्होंने फिल्म 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था जिसमें उनके अपोजिट अहम रोल में सलमान खान नजर आए थे.

रवीना अब भी बॉलीवुड में काम कर रही हैं. अपने 34 साल के करियर में एक्ट्रेस ने 'मोहरा', 'दिलवाले', 'दूल्हे राजा', 'अनाड़ी नंबर वन', 'केजीएफ 2', 'जिद्दी', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' जैसी बेहतरीन फिल्में दी है. अपने लंबे और सफल करियर में खूब शोहरत के साथ ही खूब दौलत कमाने वाली रवीना करीब 166 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं.

ऐश्वर्या राय

ने ठुकराई थी ऋतिक की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, आज भी पछताती होंगीं एक्ट्रेस

हिंदी सिनेमा की मशहूर और खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने अपने 25 साल से ज्यादा के करियर में कई फिल्मों के जरिए फैंस का दिल जीता है. कई बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली ऐश्वर्या बड़े पर्दे पर सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ भी नजर आ चुकीं हैं. लेकिन वो ऋतिक की एक फिल्म को ठुकरा भी चुकीं हैं जो बाद में बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.ऋतिक रोशन की इस फिल्म का बजट महज 10 करोड़ रुपये था और ये पिक्चर 25 साल पहले रिलीज हुई थी. इसने बॉक्स ऑफिस पर बजट से करीब आठ गुना ज्यादा की कमाई की थी. आइए जानते हैं कि आखिर ऋतिक की वो फिल्म कौन सी है जिसमें काम करने में ऐश्वर्या राय ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी.

ऐश्वर्या ने रिजेक्ट की थी 'कहो ना प्यार है'

ऐश्वर्या राय, ऋतिक रोशन की पहली हीरोइन हो सकती थीं, लेकिन उन्होंने अभिनेता की डेब्यू फिल्म 'कहो ना प्यार है' को रिजेक्ट कर दिया था. साल 2000 में आई इस पिक्चर से ऋतिक रोशन ने अपने करियर की शुरुआत की थी. मेकर्स पहले इसमें ऐश्वर्या को लेना चाहते थे, हालांकि उनकी ना के बाद अमीषा पटेल की एंट्री हुई. ऋतिक के साथ ही अमीषा की भी ये पहली पिक्चर थी. दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया और दोनों डेब्यू फिल्म से ही स्टार बन गए थे. टिकट खिड़की पर कहो ना प्यार है इतिहास रचते हुए ब्लॉकबस्टर निकली.

10 करोड़ बजट, कमाई 78 करोड़

ऋतिक को उनके पिता और मशहूर डायरेक्टर राकेश रोशन ने बॉलीवुड में लॉन्च किया था. राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी कहो ना प्यार है 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी. इसे बनाने में करीब दस करोड़ रुपये खर्च हुए थे. वहीं भारत में इसका कलेक्शन 44 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 78 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था.

इन फिल्मों में साथ नजर आए ऋतिक-ऐश्वर्या

चाहें ऐश्वर्या राय ने ऋतिक की फिल्म कहो ना प्यार है को रिजेक्ट कर दिया था, लेकिन बाद में ये दोनों स्टार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दिए. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने हर बार पसंद किया है. ऋतिक और ऐश्वर्या ने साथ में 'धूम 2', 'गुजारिश' और 'जोधा अकबर' जैसी फिल्मों में काम किया है.

राहुल की नागरिकता मामले में फैसला: रिपोर्ट के अभाव में केस बंद

राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित कर दिया

लखनऊ
हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित कर दिया। साथ ही खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि याची एस. विग्नेश शिशिर इस मामले में अन्य विधिक वैकल्पिक उपाय अपना सकते हैं। खंडपीठ ने सोमवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार याची की शिकायत को निस्तारित करने की कोई समय सीमा नहीं बता पा रही है। ऐसे में इस याचिका को विचाराधीन रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। केन्द्र सरकार ही राहुल गांधी के नागरिकता पर फैसला ले। याची दूसरे वैकल्पिक विधिक उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित किया जाता है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर के अधिवक्ता व केन्द्र सरकार के असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सूर्यभान पाण्डेय और उनके सहायक भारत सरकार के अधिवक्ता आनन्द द्विवेदी ने बताया कि याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच में राहुल गांधी के नागरिकता पर प्रश्न चिन्ह उठाते हुए एक याचिका दाखिल की।

इसमें सोमवार को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस एआर मसूदी व जस्टिस राजीव सिंह ने याचिका को निस्तारित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ही राहुल गांधी के नागरिकता पर फैसला ले। इसके लिए कोई समय भी तय नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की नागरिकता पर प्रश्न उठाते हुए केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की थी। उन्होंने याचिका में कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास यूनाइटेड किंगडम (यूके) की नागरिकता है। यह भी दावा किया था कि राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के बारे में उन्होंने दो बार सक्षम प्राधिकारी को शिकायत भेजी है। उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर ही उन्होंने याचिका दाखिल की।

पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में हरियाणा को अतिरिक्त पानी न देने का संकल्प

चंडीगढ़
पंजाब और हरियाणा के बीच जारी जेल विवाद का मुद्दा सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा हाइकोर्ट पहुंच गया। इसी बीच पंजाब विधानसभा में एक दिन के विशेष सत्र में हरियाणा को पानी न देने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

हरियाणा और पंजाब के बीच पानी के विवाद को लेकर सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड की याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें हरियाणा के महाधिवक्ता ने कहा कि प्रदेश के 200 से ज्यादा जल घर सूख चुके हैं। पंजाब सरकार ने हरियाणा का पानी रोक दिया है। इसके जवाब में पंजाब सरकार ने कहा कि हमने हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दे दिया है। हम ओर पानी हरियाणा को नहीं दे सकते हैं। पंजाब के किसानों को भी धान की फसल लगाना है। हमें भी पानी चाहिए। हाईकोर्ट में मंगलवार को फिर इस पर सुनवाई होगी।

भारत और जापान ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में भारत और जापान ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की और इस संबंध में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी से मिलकर बहुत खुशी हुई। भारत और जापान के बीच विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के लिए सहयोग और संयुक्त प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नकातानी ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद की पाकिस्तान सरकार की नीति की निंदा की। जिसे सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों के माध्यम से अंजाम दिया जाता है। इस तरह के हमले क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को अस्थिर करते हैं। सिंह ने आतंकवाद और इसे बढ़ावा देने वाली राज्य प्रायोजित कार्रवाइयों के खिलाफ एकजुट रुख अपनाने का आह्वान किया। वहीं जापान के रक्षा मंत्री नकातानी ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अपनी संवेदना व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन की पेशकश की।

दोनों मंत्रियों ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के रक्षा और सुरक्षा स्तंभों की समीक्षा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय शांति में योगदान देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा अभ्यासों और आदान-प्रदान की बढ़ती विविधता और आवृत्ति का स्वागत किया और इन जुड़ावों के दायरे और जटिलता को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने भारत और जापान के बीच मजबूत समुद्री सहयोग में नए आयाम जोड़ने पर सहमति व्यक्त की। राजनाथ ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता विशेष रूप से टैंक इंजन और एयरो इंजन सहित नए क्षेत्रों में जापानी पक्ष के साथ सहयोग करने की इसकी क्षमता को रेखांकित किया।

उन्होंने रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल संचालन के क्षेत्रों में क्षमताओं पर प्रकाश डाला। दोनों पक्ष उद्योग सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए, जिसमें स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशना शामिल है।

मणिपुर हिंसा में बीरेन की भूमिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगी नई एफएसएल रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की राज्य में हिंसा भड़काने के लिए उकसाने संबंधी आडियो क्लिप की दोबारा फोरेंसिक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे दोबारा रिपोर्ट दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मेहता से कहा कि क्या आपने फोरेंसिक रिपोर्ट देखा है। तब मेहता ने कहा कि अभी उन्होंने रिपोर्ट नहीं देखी है। अभी मणिपुर में जांच के लिए एक महीने का समय चाहिए। राज्य में शांति लौट रही है और मणिपुर हाईकोर्ट इस पर सुनवाई कर सकती है। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि हम याचिकाकताओं को अलग रख रहे हैं, एफएसएल रिपोर्ट में कुछ गलतियां हैं। हमें किसी को बचाने की बजाय इसे देखना चाहिए।
जब मेहता ने कहा कि अभी जांच जारी है तब याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि जांच पूर्व मंत्री के खिलाफ चल रही है और ये निष्पक्ष होनी चहिए। तब कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि आपकी चिंताओं का ख्याल रखा जाएगा। चीफ जस्टिस ने कहा अब तो राष्ट्रपति शासन भी लग चुका है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने बीरेन सिंह के कथित आडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया था। मणिपुर में मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू हुई थी। याचिका कुकी आर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राईट्स ट्रस्ट ने दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने मणिपुर हिंसा में बीरेन सिंह की भूमिका की जांच की मांग की थी।

देश के खिलाफ काम कर रहे सोशल मीडिया मंचों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली
संसद की एक स्थायी समिति ने हाल ही में दो प्रमुख मंत्रालयों–सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय–से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया मंचों और इन्फ्लुएंसरों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों की विस्तृत जानकारी मांगी है।

भारत ने खालिस्तानी चरमपंथियों की रैली को लेकर कनाडा से जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली
भारत ने कनाडा में हुई खालिस्तानी समर्थक रैली को लेकर वहां की सरकार से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इसमें कथित तौर पर 8 लाख हिंदुओं को कनाडा से भारत भेजने की मांग की गई थी। सूत्रों के अनुसार, हमने नई दिल्ली में कनाडा के उच्चायोग को कड़े शब्दों में अपनी चिंताएं बताई हैं। यह टोरंटो में आयोजित परेड के बारे में है, जहां हमारे नेतृत्व और कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों के खिलाफ अस्वीकार्य चित्रणि और धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया गया। हम एक बार फिर नफरत, चरमपंथ और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कनाडा के अधिकारियों से कार्रवाई करने का आह्वान करते हैं। उल्लेखनीय है कि कनाडा के टोरंटो स्थित मालटन गुरुद्वारे में खालिस्तानी समर्थकों ने कल रैली निकाली। इसमें 8 लाख हिंदुओं को भारत भेजने की मांग की गई। परेड में एक ट्रक पर जेल जैसी झांकी थी। झांकी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुतले थे।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर चिकित्सा शिक्षा विभाग की पहल: हर अस्पताल में होगी पीडब्ल्यूडी चौकी

जयपुर
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में रोगियों की सुरक्षा और भवनों के रखरखाव के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग ने संयुक्त रूप से नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इस एसओपी के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में रोगी सुरक्षा और सेवाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। आपातकाल, कैजुअल्टी, सर्जिकल प्रक्रियाओं और गंभीर रोगियों की देखभाल जैसे विशेषज्ञता और सुपर विशेषज्ञता क्षेत्रों में 24 घंटे सातों दिन प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं इससे और बेहतर एवं सुगम हो सकेंगी। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि नई एसओपी के तहत प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा एक चौकी स्थापित की जाएगी। इसके लिए स्थान अस्पताल द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा। इन चौकियों पर 24 घंटे प्लम्बर और इलेक्ट्रीशियन उपलब्ध होंगे तथा दिन के समय मे कारपेंटर और वेल्डर भी उपलब्ध होंगे। साझा परिसर वाले अस्पतालों में एक सामान्य चौकी होगी। सभी अस्पतालों में रखरखाव और रोगी शिकायतों के लिए एक हेल्पलाइन होगी, जो 24 घंटे संचालित होगी। नई एसओपी के अनुसार अस्पताल भवन की निर्माण लागत की 2 प्रतिशत राशि वार्षिक रख-रखाव निधि के रूप में पीडब्ल्यूडी को दी जाएगी, जिसका भुगतान राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसाइटी के माध्यम से होगा।

कई राज्यों में आंधी-तूफान और बरसात का पूवार्नुमान

नई दिल्ली
भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में आगामी 08 मई तक आंधी-तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली गिरने का पूवार्नुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी डॉ. संजीव द्विवेदी ने कहा कि आज ओडिशा में भारी बरसात हो सकती है। इसकी चेतावनी पहले ही जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस चेतावनी के दायरे में ओडिशा के मयूरभंज, क्योंझर, बालासोर, भद्रक और गजपति जिला शामिल हैं। इस दौरान ओलावृष्टि भी हो सकती है। कल भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। 07-08 मई को हलकी बारिश होने का पूवार्नुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती इलाकों के साथ ही देश के पूर्व मध्य और पूर्वी इलाकों में गरज के साथ वर्षा की मौजूदा गतिविधियों में सात मई के बाद से कुछ कमी आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच पिछले 24 घंटों में कई जगह तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं।

चंबा जिले के चेली गांव के डोंडरा नाला में शनिवार रात बादल फटने से एक बुजुर्ग नाले में बह गया। उसका शव बरामद कर लिया गया है।। रविवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान, मध्य भारत, ओडिशा और झारखंड में कुछ स्थानों पर 70-100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलीं और कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी आई। गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान में भी 40-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। पश्चिम बंगाल के गंगा के तट वाले इलाकों, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, तमिलनाडु पुडुचेरी, केरल , उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान का असर रहा।

यूट्यूबर समय रैना को दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने समन जारी किया

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर समय रैना को इंडियाज गॉट लैटेंट में दिव्यांग व्यक्तियों का मजाक उड़ाने के मामले में समन जारी किया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने समय रैना और उसके चार कॉमेडियन साथियों को समन जारी कर अगली सुनवाई में कोर्ट में पेश होने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि अगर समन का उल्लंघन होता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वो पांचों आरोपियों की कोर्ट में उपस्थिति सुनिश्चित करें। याचिका क्योर एसएमए इंडिया फाउंडेशन ने दायर किया है। याचिका में समय रैना द्वारा दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि दिव्यांगों के अधिकारों का उल्लंघन करने वाले ऑनलाइन शो के कंटेंट के रेगुलेशन का दिशानिर्देश जारी करना चाहिए। इसके पहले भी सुप्रीम कोर्ट इंडिया गॉट टैलेंट शो को लेकर इस शो को होस्ट करने वाले रणबीर अलाहाबादिया को फटकार लगा चुका है। बाद में शो का नैतिक स्तर बनाये रखने की अंडरटेकिंग देने के बाद अलाहाबादिया को राहत मिली

इजराइल ने गाजा पर पूर्ण नियंत्रण की बनाई योजना, कैबिनेट से मिली मंजूरी

तेल अवीव
इजराइल ने गाजा पट्टी के पूरे क्षेत्र पर कब्जा करने और वहां अनिश्चितकाल तक मौजूद रहने की योजना को मंजूरी दे दी। दो शीर्ष इजराइली अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय कैबिनेट मंत्रियों की सोमवार सुबह हुई सुरक्षा बैठक में लिया गया, जिसमें सेना प्रमुख द्वारा हजारों रिजर्व सैनिकों को बुलाए जाने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद यह मंजूरी दी गई। यह योजना इजराइल के युद्ध लक्ष्यों, हमास को पराजित करने और गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने, को हासिल करने के उद्देश्य से बनाई गई है। योजना के तहत लाखों फिलिस्तीनियों को गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थानांतरित किया जाएगा, जो जबरन विस्थापन की श्रेणी में आता है और पहले से ही बिगड़े मानवीय हालात को और गंभीर बना सकता है यह योजना तब तक लागू नहीं होगी जब तक अमेरिकी राष्ट्रपति इस माह के अंत में अपनी मध्य पूर्व यात्रा पूरी नहीं कर लेते।

वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वक्फ बोर्ड में सुधारों के लिए कुछ नहीं किया: भूपेंद्र

सरकार ने किया इलाज अब वक्फ सुधारों को लेकर भ्रम फैला रही है कांग्रेस

नई दिल्ली
वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के तहत सोमवार को अल्पसंख्यक प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर किया गया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक के लालच में वक्फ बोर्ड में सुधारों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने खुद कहा था वक्फ की सम्पत्ति का डिजिटल देखरेख और रिकॉर्ड होना चाहिए तो अगर आज सरकार ये करने जा रही है तो कांग्रेस को इससे आपत्ति क्यों है। 2013 में कांग्रेस बिल में गड़बड़ियां लेकर आई। उससे एक बात तो समझ में आती है कि अचानक वक्फ की समपत्तियों में एकदम से 100 फीसद का इजाफा हुआ जिसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है। इसकी वजह से वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर विवादों की संख्या लगातार बढ़ती गई। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर खूब मुकदमेबाजी हुई। सरकार को जब इस समस्या के बारे बताया गया तो उसका इलाज किया गया। कांग्रेस अब वक्फ सुधारों को लेकर भ्रम फैला रही है। भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नए-नए सुधारों के लिए लगातार कानून ला रहे हैं, जिससे सबका साथ, सबका विकास संभव हो रह है। देश की एकता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 को खत्म किया। भूपेंद्र यादव ने कहा कि मुस्लिम समाज को शिक्षित और गरीबी से मुक्त करके विकसित भारत के सपने के पूरा किया जा सकता है। सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति को उठाकर सबका साथ, सबका विकास की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार धर्मिक स्वतंत्रता और व्यक्ति स्वतंत्रता के लगातार काम कर रही है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह सम्मेलन वक्फ बोर्ड से जुड़े विधेयक की जन-जागरूकता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो पारदर्शिता स्थापित करने और गरीबों के कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की व्यापक रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि सबका साथ, सबका विकास की सोच रखने वाली सरकार ने सभी पक्षों और समुदायों की बात को गंभीरता से सुना और सम्मिलित किया है।
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब किसी समाज की बुराई को दूर करने करने का प्रयास करते है, तो एक तबका उनका विरोध करता है। तीन तलाक के समय भी ऐसा हुआ।

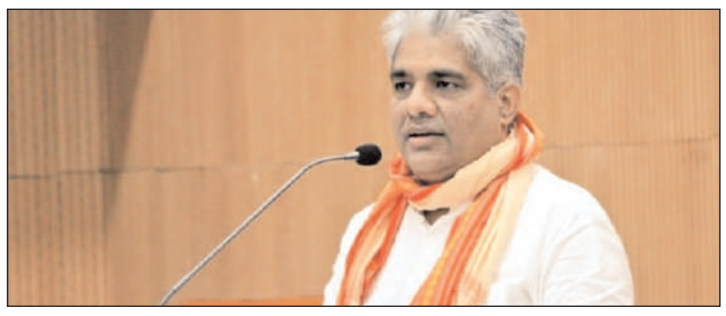

मुर्शिदाबाद दंगा पीड़ित महिलाओं ने राष्ट्रीय महिला आयोग से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगों के पीड़ितों ने राष्ट्रीय महिला आयोग से न्याय की गुहार लगाई है। दंगों में मारे गए हरगोविंदो दास और चंदन दास की पत्नी ने एक दर्दनाक घटना को बताते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर को पत्र लिखा। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर घटना पर तत्काल रिपोर्ट मांगी है। साथ ही इस मामले में पुलिस की भूमिका के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने शिकायत में नामित संबंधित अधिकारियों को 9 मई 2025 को सुबह 11:00 बजे व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित होने के लिए भी तलब किया है।
सोमवार को आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पत्र में पीड़ितों ने राज्य सरकार द्वारा किए गए अत्याचार का विवरण दिया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397